केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 347 गुरूवार 11 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बाढ से बचाव के लिये सक्रिय हुई सेना

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । संभावित बाढ़ आपदा के दौरान जनपद बस्ती में भारतीय सेना की तरफ से अयोध्या कैण्ट में तैनात मराठा लाइट इनफेन्ट्री की 5वीं बटालियन के दो सदस्यीय टीम द्वारा सुविखा बाबू संभावित मरूण्ड ग्राम का भ्रमण किया गया। आपात स्थिति में सेना द्वारा भी राहत एंव बचाव कार्य किया जायेंगा। उक्त जानकारी आपदा विशेषज्ञ रंजीत रंजन ने दी है। उन्होने बताया कि बटालियन के सदस्य द्वारा जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) से शिष्टाचार भेंट भी किया गया है।

बोरिंग पर मशीन लगाने को लेकर विवाद

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। छावनी थानाक्षेत्र के नेतवरपट्टी गांव में बैनामे की जमींन पर स्थित बोरिंग पर मशीन लगाने पर दो पक्षों में शुरू हुई कहा सुनी मारपीट में बदल गयी। लाठी डंडे कुदाल फावड़े से हुई मारपीट में 17 वर्षीय रूमा देवी, हितलाल, प्रदीप और पंकज समेत तीन लोग घायल हो गये। स्थानीय लोगों के बीच–बचाव के बाद मामला शांत हुआ। बुधवार की शाम नेतवरपट्टी गांव निवासी हितलाल पुत्र रामधीरज ने छावनी थाने पर तहरीर देकर कालीप्रसाद उनके दो पुत्रों विजय कुमार, संजय व शिवकुमार निवासी पर जानलेवा हमला कर मारने पीटने का आरोप लगाया है। इस संबंध में छावनी पुलिस निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि मारपीट में घायलों को इलाज हेतु सीएचसी विक्रमजोत भेजा गया है।मिली तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है

नवागत एडीएम ने संभाला बीडीए सचिव का कार्यभार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नवागत एडीएम प्रतिपाल चौहान को बीडीए सचिव का कार्यभार सौंपा गया है। पूर्व एडीएम के ट्रांसफर होने पर डीएम ने सीआरओ संजीव ओझा को बीडीए का सचिव बनाया था। लेकिन नवागत एडीएम प्रतिपाल चौहान के कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही उन्हें बीडीए सचिव बनाया गया है। प्रभारी अधिशासी अभियंता ने ऑनलाइन नक्शा एप्रूवल सिस्टम में नए एडीएम का नाम बदलते हुए आईडी निर्गत करने को पत्र भेजा है।

सरयू खतरे के निशान से ऊपर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सरयू नदी का जलस्तर खतरे का निशान पार कर 27 सेमी ऊपर 93 मीटर पर बह रही है। एक अनुमान के अनुसार प्रति घंटा 10 सेंटीमीटर नदी का जल स्तर बढ़ रहा है। अति–संवेदनशील तटबंध कटरिया–चांदपुर के ठोकर नम्बर–एक पर नदी का तेज दबाव बन गया है। नदी का जलस्तर बढ़ने से नदी और तटबंध के बीच बसे गांव सुविखा बाबू को जाने वाले मार्ग पर पानी भर गया है। गांव के लोग अपनी निजी नाव से गांव आ–जा रहे हैं। प्रशासन का कहना है की ग्रामीणों के आने जाने के लिए नाव लगाई गई है। नदी का जलस्तर बढ़ने से गौरा–सैफाबाद तटबंध पर पारा गांव के पास बाढ़ खंड की ओर से चलाया जा रहा कार्य प्रभावित हो गया है। अति–संवेदनशील तटबंध कटरिया–चांदपुर पर नदी का तेज दबाव बना हुआ है।

बिना बीमा, परमिट दिल्ली तक दौड़ रही थी खटारा बस, 18 की मौत

उन्नाव (आभा)। बुधवार की सुबह उन्नावस में एक सड़क हादसा हुआ । इस सड़क हादसे में कुल 18 लोगों की मौत हो गई है। यह सड़क हादसा लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे पर हुआ है। वहीं इस बस हादसे के बाद जो अहम खुलासे सामने आ रहे हैं, वो हैरान करने वाले हैं। जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक बस के कागजों में दर्ज पता फर्जी निकला है। वहीं यह बस बिना परमिट और बिना बीमा के ही चल रही थी। प्राथमिक जांच में पता चला है कि यह बस खेती किसानी करने वाले व्यक्ति के नाम से महोबा जिले में रजिस्टर्ड थी।

जानकारी के अनुसार यह शिवहर के ही रहने वाले शिवनारायण सिंह की थी। वहीं दिल्ली के रहने वाला चंदन जायसवाल पहाड़गंज से बसों को संचालित करते थे। अब इस मामले में आरटीओ अधिकारी बेहटा मुजावर थाने में बस मालिक के नाम पर एफआईआर दर्ज कराएगी।

जानकारी के अनुसार इस बस का परिचालन टूरिस्ट परमिट के नाम पर किया जा रहा था। यानि नियम के अनुसार इस बस के इंटर स्टेट चलाने का परमिट नहीं था। नमस्ते बिहार नाम की इस बस की तस्वीर देखकर इसकी स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह बिलकुल खटारा स्थिति में थी। बस की टूटी खिड़कियों पर कांच की जगह जुगाड़ के तौर पर प्लाइबोर्ड लगाए गए थे। वहीं बस में अन्य सुविधाओं का भी अभाव था। बस हादसे की शिकार एक महिला ने बताया कि इस बस के मालिक कई और बस चलवाते हैं। लेकिन, हमलोग जब सफर शुरू करने वाले थे तो हमें जानकारी नहीं थी कि हमलोगों को खटारा बस में बिठा दिया जाएगा।

बता दें, बिहार से दिल्ली जाने वाली अधिकांश बसों के पास इंटर स्टेट परमिट नहीं होता है, ये लोग परिवहन विभाग को कुछ पैसे देकर टूरिस्ट परमिट के नाम पर ही बसों का परिचालन करते हैं। बिहार से दूसरे राज्यों में जाने वाली प्राइवेट बसों में कानूनी पहलुओं का सही ढंग से पालन नहीं होता है। ऐसे में आए दिन बस दुर्घटना की खबर सामने आती रहती हैं। इससे पहले भी बिहार से यूपी और दिल्ली जाने वाली बस हादसों का शिकार हुई हैं।

उन्नाव बस हादसे में मोतिहारी के 13 व्यक्ति की मौत हो गयी है, जिसमें फेनहारा थाना के एक ही परिवार के छह सदस्य असफाक (42), मो०इस्लाम (35) मुनचुन खातून (38) गुलनाज खातून (12) कमरून नेशा (30) सोहैल (3) साल के आलावा पिपरा कोठी निवासी मोहम्मद असलम के पुत्र सलीम और शमीम, मधुबन निवासी मोहम्मद के पुत्र जय सैयद, मोतीहारी निवासी नसरुल्ला दीवान के पुत्र फूल मोहम्मद, मोतीहारी निवासी विनोद के पुत्र रूपेश कुमार, मोतीहारी निवासी बैजू कुमार एवं आदापुर निवासी मेराज आलम शामिल है।

अब मृतक अशफाक के परिजन बता रहे हैं कि पूरा परिवार दिल्ली में मजदूरी करता था। इस बार ट्रेन का टिकट नहीं मिला तो बस से जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही काल के गाल में समा गए। हादसे के बाद मृतकों के गांव में चीख पुकार मची है। बस हादसे में सुरक्षित बचे यात्रियों ने बताया कि वे लोग इस बस के माध्यम से दिल्ली कमाने के लिए जा रहे थे, अधिकांश लोग दिल्ली में कुछ न कुछ छोटा–मोटा काम करते थे। किसी काम से अपने घर बिहार लौटे थे। अब वापस जाने के दौरान यह हादसा हो गया है।

73 लेखपालों में नियुक्ति पत्र वितरित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा जनपद में 226 लेखपालों की नियुक्ति किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विधायक अजय सिंह, मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने संयुक्त रूप से 73 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। अवशेष लेखपालों को तहसील स्तर से नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त लेखपालों को शुभकामना देते हुए कहा कि पूरी लगन, तत्पर्ता एवं निष्पक्षता के साथ कार्य को सम्पादित करें। कार्यक्रम में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, मुख्य राजस्व अधिकारी संजीव ओझा, उप जिलाधिकारी शत्रुध्न पाठक, आशुतोष तिवारी, अपर सांख्यिकी अधिकारी अजय कुमार चौधरी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

7 माह बाद न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ ग्राम प्रधान के साथ मारपीट का मुकदमा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। वाल्टरगंज पुलिस ने 25 नवम्बर 2023 को घटित मारपीट, हत्या की नीयत से हमला आदि के मामले में अतिरिक्त सिविल जज (जू0डि0) षष्टम के आदेश पर वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के चाईबारी निवासी शिवाजी पुत्र राम नरेश सिंह, कन्थुई निवास ब्रम्हदेव उपाध्याय पुत्र गंगासरन एवं एक अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध गत 7 जुलाई 2024 को भादवि की धारा 307, 392, 323, 504, 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

इस सम्बन्ध में वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के चाईबारी निवासी विश्वनाथ पुत्र कृष्ण प्रताप सिंह जो वर्तमान में चन्दोखा के ग्राम प्रधान हैं, की तहरीर पर दर्ज मुकदमें में कहा गया है कि गत 25 नवम्बर 2023 को वे लगभग 6.20 बजे शाम को रेलवे गेट के निकट चाट खा रहे थे कि इस बीच शिवाजी पुत्र राम नरेश सिंह, ब्रम्हदेव उपाध्याय पुत्र गंगाशरन तथा एक काली कोट पहने व्यक्ति पहुंचा और भद्दी–भद्दी गालियां देते हुये मारा पीटा। शिवाजी ने उनके गले से सोने का चेन और ब्रम्हदेव उपाध्याय ने 8 हजार रूपये जबरन छीन लिया। लोगों के आ जाने और बीच बचाव करने पर उक्त लोग कट्टा लहराते हुये धमकी देकर फरार हो गये। वाल्टरगंज पुलिस ने जब मुकदमा दर्ज नहीं किया और पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड पत्र भेजने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई विश्वनाथ ने अतिरिक्त सिविल जज (जू0डि0) षष्टम के न्यायालय में वाद दायर किया। वाल्टरगंज पुलिस ने ग्राम प्रधान के साथ हुई मारपीट के मामले में न्यायालय के आदेश पर 7 माह बाद मुकदमा दर्ज किया है।

बस्ती में सक्रिय हुआ बाढ़ कन्ट्रोल रूम

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह के आदेशानुसार वर्तमान में हो रही भारी वर्षा के कारण मण्डल में स्थित नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि होने के दृष्टिगत राहत एवं बचाव से सम्बन्धित सूचनाओ के आदान–प्रदान के निमित्त आयुक्त कार्यालय में बाढ़ की समाप्ति तक बाढ़ कन्ट्रोल रूम क्रियाशील किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए अपर आयुक्त (प्रशासन) राजीव पाण्डेय ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय आयुक्त कार्यालय के पर्यवेक्षण में मण्डल स्तर पर कार्य किया जायेंगा। उन्होने बताया कि बाढ़ नियंत्रण कक्ष में दूरभाष नम्बर 05542–245301 स्थापित है।

उन्होने बताया कि आयुक्त कार्यालय के कर्मचारी प्रधान सहायक संदीप यादव व कनिष्ठ सहायक पवन यादव को प्रातः 6 से अपरान्ह 2 बजे तक, प्रधान सहायक रमेश चन्द्र व वरिष्ठ सहायक राजेश रसाल को अपरान्ह 2 से रात्रि 10 बजे तक तथा वरिष्ठ सहायक आफताब अहमद व कनिष्ठ सहायक आलोक कुमार सिंह को रात्रि 10 से प्रातः 6 बजे तक आगामी 23 जुलाई 2024 तक ड्यिूटी लगायी गयी है। यह ड्यिूटी चक्रानुक्रम में बाढ़ समाप्ति तक चलता रहेंगा।

उन्होने ड्यिूटी पर लगाये गये कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि जनपद कंट्रोल रूम से सत्त समन्वय बनाये रखें तथा नदियों के जल स्तर के सम्बन्ध में रिपोर्ट रजिस्टर में अंकित करते हुए प्रभारी अधिकारी को समय से अवगत कराये। उन्होने यह भी निर्देश दिया है कि कन्ट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों का नियमित रूप से परीक्षण कर सम्बन्धित अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए ससमय प्रकरण का निस्तारण कराना सुनिश्चित करेगें। उन्होने बताया है कि तैनात कर्मचारियों के आकस्मिक अवकाश लेने की स्थिति में सौरभ कुमार श्रीवास्तव को प्रतिस्थानी के रूप में ड्यिूटी लगायी जायेगी।

किसके संरक्षण में बिक रही है अवैध शराब..? अनहोनी का खतरा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। पठान टोला में सरकारी देशी शराब का दूकान चलाने वाली डेजी सिंह पत्नी स्वर्गीय शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने जिलाधिकारी के साथ ही विभागीय अधिकारियों को पत्र भेजकर पठान टोला व रानी पोखरा क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री कराने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है। डेजी सिंह ने आशंका व्यक्त किया है कि अवैध शराब की बिक्री से कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है। उनके दूकान की बिक्री भी प्रभावित हो रही है।

उच्चाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को भेजे पत्र में डेजी सिंह ने कहा है कि उनकी सरकारी देशी शराब की दूकान 'पुरानी बस्ती' के नाम से है। जिसकी वे अनुज्ञापी हैं। उनकी दूकान मोहल्ला –पठान टोला (रानी पोखरा) में स्थित है। उसी मोहल्ले में रवि सोनकर

-सरकारी शराब की दूकान चलाने वाली डेजी सिंह ने किया अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग

पुत्र मुकेश सोनकर, अमर सोनकर पुत्र अनरजीत सोनकर व महेश चौधरी निवासीगण मोहल्ला – पठान टोला में अवैद्य शराब की बिक्री सुबह 5 बजे से 9 बजे तक तथा सांय में 7 बजे से 10 बजे तक कर रहे हैं। आई०जी०आर०एस के माध्यम से मुख्यमन्त्री पोर्टल पर शिकायत की जा रही है। लेकिन दक्षिण दरवाजा पुलिस चौकी के द्वारा रिर्पोट लगाकर शासन को भेज दिया जा रहा है। जिससे समस्या का समाधान नही हो पा रहा है। दिन प्रतिदिन उनके दुकान की बिक्री कम होती जा रही है। जिससे निधारित कोटा उठाने में समस्या आ रही है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में लाईसेन्स में लगभग 30 लाख रूपये उनके द्वारा जमा किया गया है। बिक्री में लगातार गिरावट होने तथा निधारित कोटा न उठ पाने से उनकी जमा धरोहर धनराशि को जब्त कर लिया जायेगा। जिससे उन्हें आर्थिक रूप से और हानि का सामना करना पड़ सकता है। रवि सोनकर, अमर सोनकर, व महेश चौधरी अलग अलग जगह से अवैद्य दारू लाकर बिक्री कर रहे है, और उनकी बिक्री को प्रभावित कर रहे है। बाहर से अवैद्य शराब की बिक्री से किसी कि जान जाने का भी खतरा बना हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी ने किया बाढग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को लखीमपुर खीरी और पीलीभीत के गांव में आई बाढ़ का जायजा लेने पहुंचे। सीएम योगी ने पानी में पूरी तरह डूबे महादेव गांव पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों का दर्द बांटा। सीएम मोटरबोट से उस गांव तक गए, जहां कभी स्थानीय अफसर व जनप्रतिनिधि भी जाने की हिम्मत नहीं कर सके। सीएम करीब 20 मिनट तक उस गांव में रहे और लोगों को भरोसा दिया कि वह उनके साथ खड़े हैं। गांव वाले भी प्रदेश के मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर दर्द भूल चुके थे। गांव वालों ने कहा कि वे दशकों से बाढ़ का दंश झेल रहे हैं। पर आज तक उनका दर्द बांटने के लिए कोई बड़ा अफसर नहीं आया। आज सीएम आए हैं तो उम्मीद बंधी है कि अब फसलों का मुआवजा भी मिल सकेगा। शारदानगर में बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर उतरा। वह उस जगह तक आए, जहां उनको बाढ़ पीड़ितों को राहत किट बांटनी थी।

राम बहोर मिश्र अध्यक्ष, रामफेर यादव मंत्री निर्वाचित

—प्राथमिक शिक्षक संघ कल्याण परिषद के अधिवेशन में मुद्दो पर विमर्श

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। बुधवार को सेवा निवृत्त प्राथमिक शिक्षक संघ कल्याण परिषद का अधिवेशन प्रेस क्लब सभागार में प्रदेश अध्यक्ष सत्यदेव सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में सेवा निवृत्त प्राथमिक शिक्षकों की समस्याओं पर विचार के साथ ही संघर्ष की रणनीति तय की गई। अधिवेशन के दूसरे चरण में परिषद के प्रदेश महामंत्री गुलाब चन्द्र तिवारी की देख रेख में चुनाव हुआ जिसमें सर्व सम्मत से राम बहोर मिश्र पांचवी बार जिलाध्यक्ष, रामफेर यादव मंत्री, रामनरायन उपाध्याय कोषाध्यक्ष, रक्षाराम वर्मा संयुक्त मंत्री, लक्ष्मी गुप्ता प्रचार मंत्री, दान बहादुर दूबे, श्रीमती प्रेमलता सिंह, रामचन्द्र तिवारी, सुरेन्द्र सिंह, जयन्त्री धर दूबे, शिवकुमार तिवारी, रमाकान्त पाण्डेय उपाध्यक्ष, धर्मेन्द्र शुक्ल आडीटर चुने गये।

अधिवेशन को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये प्रदेश अध्यक्ष सत्यदेव सिंह ने कहा कि सेवा निवृत्त प्राथमिक शिक्षकों की समस्याओं के समाधान हेतु परिषद द्वारा लगातार संघर्ष जारी है। उन्होने परिषद की सदस्यता बढाने पर जोर दिया।

प्रेस क्लब में आयोजित अधिवेशन में मुख्य रूप से हरिशर्मा द्विवेदी, अयोध्या प्रसाद पाण्डेय, हरीराम तिवारी, रामसंवारे चौधरी, हितलाल, भवानी प्रसाद, अब्दुल गफ्फार, मदनमोहन सिंह, राम रूप चौधरी, जटाशंकर चतुर्वेदी , रामफेर सिंह के साथ ही अनेक सेवा निवृत्त शिक्षक एवं परिषद के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एस.पी. से ध्वस्त बाउन्ड्रीवाल, गेट का निर्माण पुलिस सुरक्षा में कराने की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला रौतापार ब्लाक रोड विवेकान्द कालोनी निवासी सरला पाण्डेय पत्नी हंसराज पाण्डेय ने बुधवार को मण्डलायुक्त और पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर बिना किसी पूर्व सूचना के जबरिया दबंगों द्वारा बाउन्ड्रीवाल, गेट आदि ध्वस्त किये जाने के मामले में बाउन्ड्रीवाल, गेट निर्माण कराये जाने और प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग किया है।

मण्डलायुक्त और एस.पी. से मुलाकात के बाद प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से सरला पाण्डेय ने बताया कि दोनों उच्चाधिकारियों ने न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है। अधिकारियों को भेजे पत्र में सरला पाण्डेय पत्नी हंसराज पाण्डेय ने कहा है कि भू–माफिया काशीराम यादव ने लगभग 50 व्यक्तियों के साथ उनके मकान के पीछे का भाग गत 27 जून को तोड फोड कर ध्वस्त करा दिया, तब से उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही है ।

सरला पाण्डेय ने कहा है कि बाउन्ड्रीवाल ध्वस्त किये जाने के

-दबंग भू- माफिया दे रहे हैं धमकी-सरला पाण्डेय

मामले में थाना कोतवाली बस्ती में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मुल्जिमो के खिलाफ अभी तक कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई है। मण्डलायुक्त, जिलाधिकरी , उपजिलाधिकारी सदर, तहसीलदार सदर और मुख्यमन्त्री उ०प्र० के जन सुनवाई पोर्टल पर तथा राजस्य मंत्री आदि को पजीकृत डाक से उपरोक्त घटित घटना का विवरण पजीकृत डाक से भी दिया गया लेकिन आज तक किसी उच्चाधिकारी ने, न तो घटना स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया न तो संज्ञान में ही लिया। भू–माफियाओ द्वारा लगभग दो लाख रूपये का नुकसान किया गया है जिसकी भरपायी करायी जाये। भू–माफिया द्वारा उनके परिवार को अप्रिय घटना घटित करने व गाली देने व जान से मारने देने की धमकी बराबर दी जा रही है और यह भी कहा जा रहा है कि यहा से भाग जाओ नहीं तो अन्जाम भुगतने को तैयार हो जाओ। मांग किया कि परिवार को पुलिस द्वारा बराबर निगरानी रखते हुये सुरक्षा प्रदान किया जाय और मकान के पीछे के जिस भाग को ध्वस्त कर दिया गया है उसे पुलिस की सुरक्षा में निर्माण कार्य करवाया जाये।

पूर्वांचल विकास बोर्ड की बैठक 11 को

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । प्रदेश के पूर्वान्चल क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु गठित पूर्वांचल विकास बोर्ड की बैठक नरेन्द्र सिंह उपाध्यक्ष पूर्वांचल विकास बोर्ड की अध्यक्षता में 11 जुलाई को आयुक्त सभागार में आयोजित होगी। उक्त जानकारी उप निदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी ने दी है।

उन्होने बताया कि बैठक में बोर्ड के पदाधिकारीगण मण्डलायुक्त, विशेष सचिव नियोजन, प्रशासकीय विभागों के मुख्यालय के अधिकारी तथा मण्डल के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग कर पूर्वांचल क्षेत्र के विकास हेतु विचार–विमर्श कर सुझाव दिये जायेंगे।

वे सर्किट हाउस बस्ती में 11 जुलाई को स्टे करेंगे, जिसके आलोक में स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा पूर्वांचल क्षेत्र के त्वरित विकास हेतु पूर्वाह्न 9.30 से 10.30 के मध्य अपने सुझाव विकास बोर्ड को उपलब्ध करा सकते है।

दैनिक भारतीय बस्ती

20 जुलाई 2024 स्थापना दिवस विशेषांक

दैनिक भारतीय बस्ती आगामी 20 जुलाई 2024 को अपने प्रकाशन यात्रा के 45 वर्ष पूरा कर 46 वें वर्ष में प्रवेश करेगा। इस अवसर पर पत्रकारिता पर केन्द्रित एक संगोष्ठी 'संचार क्रान्ति के समय में पत्रकारिता '' के साथ ही विशेष परिशिष्ट का प्रकाशन किया जा रहा है।

20 जुलाई 2024 को प्रकाशित विशेषांक में पत्रकारिता एवं जीवन जगत से सम्बंधित अनेक आलेख प्रकाशित किये जायेंगे। कृपया इस विशेषांक में लेख, समीक्षा आदि उपलब्ध कराकर सहयोग करें। सामग्री 16 जुलाई 2024 तक उपलब्ध हो जाय जिससे प्रकाशन में सुविधा रहे।

सम्पादक

bhartiya basti@gmail.com
MO. 9450567450, 9336715406

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 जुलाई 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

बढ़ते आतंकी हमले

जम्मू और कश्मीर से लगातार जो खबरें आने लगी हैं, वे चिंता से भी ज्यादा डर पैदा करती हैं। डर इस बात का नहीं है कि हमारी फौज के जवानों का हौसला पस्त होगा या हमारी सरकार ही कमजोर पड़ जाएगी और आतंकियों तथा उनके पीछे बैठे उनके पाकिस्तानी आकाओं का हौसला इतना बढ़ जाएगा कि वे हमें लंबे समय तक भारी परेशान कर देंगे, बल्कि जो कुछ हो रहा है वह इतना तो बताता ही है कि आतंकियों ने हथियार नहीं डाले हैं, पाकिस्तान से घुसपैठ हो रही है, पाकिस्तान से मदद जारी है और हमारे अपने कश्मीरी समाज से आतंकियों को मदद मिले न मिले लेकिन हमारे खुफिया तंत्र को उनसे जरूरी सूचनाएं नहीं मिल रहीं।

ऐसा जान–बूझकर हो रहा है या फौजी उपस्थिति का दबदबा और खौफ लेकिन खुफिया सूचनाओं में फौजी तंत्र को पर्याप्त फीड नहीं है, तभी हमले हो रहे हैं। कठुआ के बनडोटा गांव के पास आतंकियों ने जिस तरह घात लगाकर फौजी वाहन पर हमला किया और 5 जवानों को मारने के साथ ही अनेक को घायल कर दिया, उसमें उनको एक स्थानीय आतंकी का पूरा सहयोग मिलने की बात सामने आ रही है। पर उससे ज्यादा चिंता की बात यह है कि इस बार घाटी से भी ज्यादा वारदातें जम्मू इलाके में हो रही हैं। अकेले जून में ही चार बड़ी वारदातें जम्मू इलाके में हो चुकी हैं। मई में तो वायु सेना के दो हैलीकाप्टरों तक को निशाना बनाया गया, जिसमें एक जवान की मौत भी हुई। कठुआ के ही हीरन नगर में सेदा सोहल गांव में जब फौज और आतंकियों की मुठभेड़ हुई तो केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का एक जवान और दो आतंकी मारे गए थे। बनडोटा में कई जवान घायल हैं और आतंकियों के खिलाफ अभी भी कार्रवाई जारी थी। दो जवान गंभीर रूप से घायल थे और उनको बिलावर के अस्पताल में भेजा गया था।

उल्लेखनीय है कि जम्मू इलाके को अपेक्षाकृत शांत मानकर वहां फौज की संख्या कम की गई थी और यह रिपोर्ट भी है कि पाकिस्तान से जिन 70 से 80 आतंकियों के घुसपैठ का अनुमान है, उनमें से ज्यादातर अभी इसी इलाके में हैं। वे चार–चार, पांच–पांच की टोलियां बनाकर अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। और बताने का मतलब यह नहीं है कि वे घाटी को छोड़ गए हैं, जब बर्फ पड़ेगी तो घाटी वाली सीमा ही उनके लिए घुसपैठ का रास्ता बनती है। जम्मू–कश्मीर और खास तौर से जम्मू क्षेत्र को आतंकी क्यों वारदातों के लिए चुन रहे हैं, इसको समझना मुश्किल नहीं है। धारा 370 हटे और राज्य का विभाजन हुए पांच साल होने को आए हैं और सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि सितम्बर से पहले जम्मू–कश्मीर में चुनाव हो जाने चाहिए। राज्य में विधानसभा की सीटों के पुनर्गठन का काम भी पूरा हो चुका है और इसे लेकर भी हल्की नाराजगी है।

आतंकवादियों की गतिविधियों से इस चुनाव का साफ रिश्ता है। हमने यह भी देखा है कि लंबे चले लोकसभा चुनाव में भी आतंकी घटनाएं बढ़ने लगी थीं। यहां हम लद्दाख क्षेत्र के चुनाव और राज्य का बंटवारा करने वाली पार्टी के प्रदर्शन की चर्चा नहीं करेंगे। जम्मू और कश्मीर घाटी में राज्य का बंटवारा मुद्दा था और उससे भी उल्लेखनीय खुद चुनाव था, जिसमें लोगों की भागीदारी तो ठीक–ठाक हुई लेकिन स्थापित दलों की हालत खराब रही। बड़े–बड़े नेता ढेर रहे। नैशनल कांफ्रेंस–कांग्रेस गठबंधन तथा पी.डी.पी. के नेता तो चुनाव लड़े और हारे, लेकिन भाजपा के दुलारे गुलाम नबी आजाद की पार्टी तो घाटी के चुनाव मैदान में उतारने से डर गई और मैदान ही छोड़ दिया। लोगों ने मतदान में हिस्सा लेकर जिन्हें जिताया और जिन्हें हराया, उन सबके माध्यम से अपना साफ जनादेश दिया। पर केंद्र में बैठे नेताओं ने इस जनादेश को ठीक से समझा हो, ऐसा नहीं लगता।

हार या जीत को सीधे फेस करने और चुनाव में हिस्सा लेकर जो संदेश दिया जा सकता था (राजीव–फारूक समझौते के बाद हुए चुनाव में अपनी पराजय के बाद राजीव गांधी ने बड़ी शालीनता से जनादेश को स्वीकार किया था) वह तो दूर, जाने क्या–क्या दावे किए जाते रहे। रक्षा मंत्री और गृह मंत्री तो यह बयान भी देते रहे कि पाक अधिकृत कश्मीर खुद ब खुद हमारी ओर आने वाला है क्योंकि हमने जो उपलब्धियां हासिल की हैं (और पाकिस्तान कटोरा लेकर घूम रहा है), उन्हें देखकर ही कश्मीरी लोग लट्टू हो गए हैं।

अभी तक राज्य में लाखों की संख्या में जवान तैनात हैं। निश्चित रूप से इसके चलते पहले की तुलना में हाल तक ज्यादा शांति रही है। उनके खर्च की बात छोड़ भी दें तो निवेश से लेकर शेष देश के जुड़ाव के जो सपने दिखाए गए थे, वे कहां हैं, यह कोई भी पूछ सकता है। चुनाव में भी इस तरह के पिटे मोहरों और भगौड़े दस्तों पर लोग कितना भरोसा करेंगे, कहना मुश्किल है। चुनाव कराने के क्रम में ऐसी सख्ती नहीं रखी जा सकती। आतंकी ताक में थे और हथियार–गोला–बारूद तथा प्रशिक्षण पा रहे थे। वारदातें बढ़ना उसी का प्रमाण है। और याद रखें कि अब सामान्य गैर मुसलमान लोग या प्रवासी निशाने पर नहीं हैं। रियासी में तीर्थयात्रियों वाली बस को निशाना बनाने तक ऐसी रणनीति दिखती थी। अब तो सीधे फौज के लोग निशाने पर हैं।

एक थ्योरी यह चल रही है कि पाक अधिकृत कश्मीर में वहां के एक रिटायर ब्रिगेडियर और आई.एस.आई. के आप्रेटर आमीर हमजा समेत 21 कश्मीरी आतंकियों की रहस्यमयी हत्या के बाद से ही ये वारदातें और घुसपैठ बढ़ी हैं। हमजा 2018 में सुंजवां सैनिक कैंप पर हुए हमले से जुड़ा था। उसकी और इन 21 लोगों की हत्या कुछ अनाम बंदूकधारियों ने कर दी थी। हत्यारे कौन थे, इसकी तरह–तरह की व्याख्या है, पर न तो किसी ने इसका श्रेय लेने का दावा किया है न कोई पक्के प्रमाण ही सामने आए हैं। कहा जाता है कि इसके बाद से ही आई.एस.आई. ने लश्कर–ए–तोयबा के कमांडर सैफुल्ला सज्जाद जट्टा, जो उसके एक दस्ते का नेतृत्व कर रहा है, को इसका बदला लेने का जिम्मा सौंपा है। घटनाएं इसी के चलते बढ़ी हैं। अब इस थ्योरी को मानने का मतलब पी.ओ.के. में रॉ की गतिविधियों को बड़ा और सही मानना होगा। पर बीच चुनाव में ऐसा होगा, यह अविश्वसनीय लगता है। अच्छा हो कि आतंकवादियों के मंसूबों को ध्वस्त करने के लिये हर संभव प्रयास तेज किये जाय।

समृद्ध लोकतंत्र के लिये नेतृत्व की शालीनता आवश्यक

–विश्वनाथ सचदेव–

हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे पुराना जनतांत्रिक देश है। हमें किसी से जनतांत्रिक परंपराएं सीखने की आवश्यकता नहीं है। जनतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं हमारे देश में। लेकिन इसके बावजूद कई बार ऐसा लगता है कि हमारे नेता या तो जनतांत्रिक परंपराओं को निभा नहीं रहे या फिर उन परंपराओं को समझ नहीं रहे। अब इन्हीं चुनाव की बात करें– मतदाता ने अपना निर्णय स्पष्ट दिया है – एनडीए गठबंधन सरकार बनाये और इंडिया गठबंधन विपक्ष का दायित्व निभाये। इसके बाद कोई भ्रम नहीं रहना चाहिए, लेकिन अठारहवीं लोकसभा के पहले ही अधिवेशन में संसद के दोनों सदनों में जिस तरह का व्यवहार हमारे सांसदों का रहा है, वह सवालिया निशान तो लगाता ही है कि जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति हम कितने सजग हैं?

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद–प्रस्ताव को लेकर जिस तरह की बहस दोनों सदनों में देखने–सुनने को मिली है, वह इस संदर्भ में आश्वस्त करने वाली तो नहीं ही है। दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारियों ने विपक्ष को खरी–खोटी सुनायी। दोनों सदनों में नेता–विपक्ष के वक्तव्यों में से कुछ शब्द हटा दिये गये अर्थात् रिकॉर्ड में वे शब्द नहीं रहेंगे। असंसदीय शब्दों के नाम पर होने वाली यह कवायद अब इस अर्थ में भी बेमानी हो चुकी है कि देश की जनता वह सब देख–सुन चुकी होती है जिसे पीठासीन अधिकारी असंसदीय घोषित करके न सुनने और न देखने लायक बता देते हैं। कथित असंसदीय भाषा से कहीं अधिक असंसदीय तो बहस के दौरान कुछ सांसदों का व्यवहार हो जाता है। सदस्यों को निष्कासित करके ऐसे व्यवहार को उजागर तो किया जाता है, पर यह प्रक्रिया इस हद तक अतार्किक हो जाती है कि पिछली संसद में से सौ से अधिक सांसदों का निष्कासन किया गया! लोकसभा के स्पीकर और राज्यसभा के सभापति ने यह निर्णय अपने विवेक से किया होगा, इस पर सवाल तो उठता ही है कि इस तरह की कार्रवाई को कितना जनतांत्रिक कहा जा सकता है?

इस संदर्भ में मुझे ब्रिटेन के नए और पिछले प्रधानमंत्री के भाषण याद आ रहे हैं। हाल के चुनाव में ब्रिटेन के मतदाता ने सरकार पलट दी है। कंज़रवेटिव पार्टी का शासन मतदाता ने नकार दिया है और लेबर पार्टी को सरकार बनाने का अवसर दिया गया है। भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री स्टार्मर्स ने इस अवसर पर जो भाषण दिए हैं उनमें ऐसा बहुत कुछ है जो बताता है कि राजनेताओं को एक–दूसरे के प्रति किस तरह का व्यवहार करना चाहिए। अपनी हार को स्वीकार करते हुए ऋषि सुनक ने स्पष्ट शब्दों में कहा है, वे इस हार का दायित्व लेते हैं और नयी सरकार को ब्रिटेन के हित में काम करने में हर उचित सहयोग देंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि 'नये प्रधानमंत्री की सफलता हम सब की सफलता होगी। वे जन–हित के लिए काम करने वाले ऐसे उत्साहित व्यक्ति हैं, जिनका मैं सम्मान करता हूं।' ऐसा ही सम्मान प्रधानमंत्री चुने जाने वाले स्टार्मर्स ने भी ऋषि सुनक के प्रति व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मैं निवर्तमान प्रधानमंत्री को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देना चाहता हूं। वे हमारे देश के पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधानमंत्री थे। इस नाते उन्हें कुछ कर पाने के लिए जो अतिरिक्त प्रयास और मेहनत करनी पड़ी उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। हम उसकी प्रशंसा करते हैं। हम उनकी निष्ठा और मेहनत को भी स्वीकारते–समझते हैं।'

ये शब्द ब्रिटेन के उन दो राजनेताओं के हैं जो कल तक चुनावी–मैदान में एक–दूसरे के आमने–सामने खड़े थे। ऐसा नहीं है कि वहां एक–दूसरे पर राजनेता आरोप–प्रत्यारोप नहीं लगाते। आरोप सब जगह लगते हैं। कुछ कटुता भी होती होगी। लेकिन नेतृत्व से जिस तरह की शालीनता की अपेक्षा होती है, कम से कम इस समय तो उनके व्यवहार में वह स्पष्ट दिख रही है। ऐसा नहीं है कि हमारे यहां विभिन्न दलों के राजनेताओं के बीच पारस्परिक संबंध नहीं होते। ढेरों उदाहरण हैं इस आशय के जिनसे यह पता चलता है कि नीतिगत विरोध का अर्थ दुश्मनी नहीं होता। लेकिन ऐसे भी उदाहरण कम नहीं हैं जो बताते हैं कि या तो हमारे नेताओं में पारस्परिक संबंधों वाली परिपक्वता नहीं है या फिर यह कि नेताओं को लगता है कि संबंधों की मधुरता का कोई लक्षण दिख गया तो उनके राजनीतिक हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ जायेगा। चुनावी–सभाओं में तो नेताओं के विरोधी तेवर अक्सर दिख जाते हैं, और एक सीमा तक उनकी 'आवश्यकता' को समझा भी जा सकता है, लेकिन संसद और राज्यों की विधानसभाओं में जब राजनीतिक विरोध शालीनता की सीमाएं लांघता दिखता है तो हैरानी भी होती है और दुख भी होता है।

यह समझना आसान नहीं है कि देश के 15वें प्रधानमंत्री पहले प्रधानमंत्री को लेकर असहज क्यों दिखते हैं? यह समझना भी मुश्किल है कि संसद के सदनों में पीठासीन अधिकारी डंडा लेकर पढ़ाई करवाने वाले अध्यापक की तरह व्यवहार करना जरूरी क्यों समझते हैं। सदस्यों के कथित अनुचित व्यवहार को रेखांकित करने के लिए उन्हें जिस तरह डांटा जाता है वह दोनों ही पक्षों की कमजोरी उजागर करता है। विधायकों और सांसदों का कहा–किया देश की जनता के लिए एक उदाहरण होता है। सदन की मर्यादाओं का पालन हर हालत में होना चाहिए और इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि राजनीतिक विरोध का मतलब कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं होती। जनता अपने प्रतिनिधि चुनकर सदनों में भेजती है, जिनसे यह अपेक्षा रहती है कि वह जन–हित के कार्य करेंगे। उनके नाटकीय भाषण और अनावश्यक उत्तेजना उनकी ताकत को नहीं, उनकी कमजोरी को ही सामने लाते हैं।

राजनीतिक विरोधियों को इस बात को हमेशा ध्यान में रखना होगा कि एक–दूसरे का सम्मान करके ही वे व्यवहार की शालीनता को बनाये रख सकते हैं। बशीर बद्र का एक शेर है 'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन ये गुंजाइश रहे फिर कभी हम दोस्त बन जाएं तो शर्मिंदा न हों।' मुझे लगता है हमारे राजनेताओं को यह बात याद रखने की आवश्यकता है। एक बात और, जो जितना बड़ा नेता है, उससे अपेक्षाएं भी उतनी ही बड़ी होती हैं। हमारे नेताओं को इन अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही होगा। सवाल उनकी कथित शान का नहीं, उन मतदाताओं की इज्जत का है जिन्होंने उन नेताओं को अपना प्रतिनिधि चुना है। बहस के दौरान अपने–अपने मत को मजबूती से रखने का मतलब एक–दूसरे को भला–बुरा कहना नहीं होता। और अपनी बात को रखने का मतलब यह नहीं होता कि दूसरे की बात सामने आ ही न सके। वाल्टेयर ने कहा था, 'हो सकता है मैं आपकी बात से सहमत न होऊं, पर अपनी बात रखने के आपके अधिकार की रक्षा में अपनी अंतिम सांस तक करूंगा।' महान दार्शनिक का यह वाक्य हमारे राजनेताओं को हमेशा याद रहना चाहिए तभी वे जनतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप आचरण कर पाएंगे। तर्कातीत विरोध अंधा होता है, हमें विवेकपूर्ण विरोध को अपनी राजनीति का 'हथियार' बनाना होगा।–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पर्यावरण से जुड़े अपराध का हो शीघ्र निपटारा

–रोहित कौशिक–

ज्यों–ज्यों भारत समेत पूरा विश्व विकसित होता जा रहा है, त्यों–त्यों पर्यावरण की सेहत बिगड़ती जा रही है। हालात यह बता रहे हैं कि विकसित होते विश्व में पर्यावरण केवल संगोष्ठियों का मुद्दा बन कर रह गया है। यही कारण है कि लगातार पर्यावरण की स्थिति बद से बदतर हो रही है। एक तरफ अनेक लोग और संगठन पर्यावरण को बचाने के लिए काम कर रहे हैं तो दूसरी ओर कई लोग स्वार्थ के वशीभूत होकर पर्यावरण की स्थिति को बिगाड़ने पर तुले हैं। ऐसे लोग पर्यावरण से संबंधित अपराधों में लिप्त रहकर भी समाज के जिम्मेदार पदों पर रहते हुए भाषणबाजी कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि देश की विभिन्न अदालतों में पर्यावरण से संबंधित अपराधों के अनेक मामले सुनवाई के लिए लंबित हैं। इस दौर में जिस गति से पर्यावरणीय अपराध बढ़ रहे हैं उस गति से इनका निपटारा नहीं हो पा रहा है।

आज पर्यावरण का क्षेत्र एक बड़ा आपराधिक क्षेत्र बनता जा रहा है लेकिन इसे दूसरे अपराधों की तुलना में उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता है। यही कारण है कि पर्यावरणीय अपराधों के निपटारे में लापरवाही बरती जाती है। कुछ समय पहले गैर–लाभकारी अनुसंधान संगठन 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' ने एक रिपोर्ट में बताया था कि देश में पर्यावरण से जुड़े अपराध 4 फीसदी की दर से बढ़ रहे हैं। हालांकि इन मामलों का निस्तारण बहुत धीमी गति से हो रहा है। अगर यही हाल रहा तो इन मामलों के निपटारे में कई दशक लग जाएंगे। अदालतों द्वारा रोज इस तरह मामलों का निपटारा किया जा रहा है लेकिन बैक लॉग खत्म करने के लिए ज्यादा मामलों का निपटारा होना जरूरी है।

कुछ समय पूर्व 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' द्वारा जारी यह रिपोर्ट पर्यावरण के क्षेत्र में पनप रहे खोखले आदर्शवाद की तरफ भी इशारा करती है। क्या कारण है कि भाषणों में पर्यावरण पर बड़ी–बड़ी बातें की जाती हैं लेकिन व्यावहारिक रूप से पर्यावरणीय अपराधों में लिप्त लोग खुलेआम घूमते रहते हैं। दरअसल विश्व स्तर पर कुछ प्रचलित पर्यावरणीय अपराध माने जाते हैं। वन्यजीव अपराध अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में लगातार बढ़ता जा रहा है। इस अपराध से सभी प्रकार की प्रजातियां–स्तनधारी, पक्षी, सरीसृप और उभयचर, कीड़े और पौधे प्रभावित होते हैं।

अवैध रूप से वृक्षों की कटाई ने दुनिया में सभी महाद्वीपों को प्रभावित किया है और यह चीन, भारत और वियतनाम जैसे सभी ऊष्णकटिबंधीय वन क्षेत्रों में व्यापक रूप से हो रही है। विश्व के कई भागों में अवैध रूप से मछली पकडना इसी अपराध की श्रेणी में आता है। पर्यावरणीय अपराधों में प्रदूषण संबंधी अपराधों का भी बड़ा दायरा है। अवैध कचरे की तस्करी तथा क्लोरो–फ्लोरो कार्बन,हाइड्रो क्लोरो–फ्लोरो कार्बन और अन्य ओजोन क्षयकारी पदार्थों का अवैध उत्पादन और उपभोग भी इसी श्रेणी में आता है।

अवैध रूप से वृक्षों की कटाई ने दुनिया में सभी महाद्वीपों को प्रभावित किया है और यह चीन, भारत और वियतनाम जैसे सभी ऊष्णकटिबंधीय वन क्षेत्रों में व्यापक रूप से हो रही है। विश्व के कई भागों में अवैध रूप से मछली पकडना इसी अपराध की श्रेणी में आता है। पर्यावरणीय अपराधों में प्रदूषण संबंधी अपराधों का भी बड़ा दायरा है। अवैध कचरे की तस्करी तथा क्लोरो–फ्लोरो कार्बन,हाइड्रो क्लोरो–फ्लोरो कार्बन और अन्य ओजोन क्षयकारी पदार्थों का अवैध उत्पादन और उपभोग भी इसी श्रेणी में आता है।

अवैध खनन के पर्यावरण पर होने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए इसे पर्यावरण अपराध की श्रेणी में रखा गया है। पर्यावरण अपराधों की अन्य सूचियों में कचरा और अपशिष्ट निपटान, तेल रिसाव, जल स्रोतों में अनुचित निष्कासन, आर्द्र भूमि वैटलैंड, विनाश, कीटनाशकों का अनुचित निष्कासन आदि शामिल हैं। दरअसल पर्यावरण के मुद्दों को निपटाने के लिए बहुत से कानून अस्तित्व में हैं लेकिन उनका ठीक ढंग से क्रियान्वयन नहीं हो पाता है। अनेक पर्यावरणीय अपराधों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वर्ष 2010 में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एन.जी.टी.) की स्थापना की गई थी। हालांकि एन.जी.टी. एक अर्द्धन्यायिक निकाय है और इसके पास सीमित शक्तियां हैं। सामान्य अदालतों पर बोझ कम करने के लिए एन.जी.टी. बनाया गया था। इसके पास कानून–प्रवर्तन एजेंसियों के समान अधिकार हैं लेकिन यह एक सामान्य अदालत की तरह नहीं है। एन.जी.टी. अपराध की प्रकृति और गंभीरता के आधार पर सजा के लिए सिफारिशें जारी कर सकता है।

हालांकि इस तरह की सजा को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। आज एन.जी.टी. को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एन.जी.टी. अधिनियम के प्रावधानों की समीक्षा की जरूरत है। आमतौर पर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायिक सदस्यों के रूप में नियुक्त किए जाते हैं। इसके साथ ही 15 साल के अनुभव वाले भौतिक विज्ञान या जीव विज्ञान में डॉक्टरेट तथा इंजीनियरिंग स्नातकोत्तर व्यक्तियों को भी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया जाता है। सवाल यह है कि विशेषज्ञों को किताबी ज्ञान के अलावा कितना व्यावहारिक ज्ञान होता है? आज जरूरत इस बात की है कि प्राधिकरण और अदालतों में व्यावहारिक ज्ञान वाले पर्यावरण विशेषज्ञों और जजों की नियुक्ति भी की जाए। पर्यावरण के संदर्भ में जजों की समझ विकसित करने के लिए निश्चित अंतराल पर कार्यशालाएं भी आयोजित की जा सकती हैं। पर्यावरणीय अपराधों के शीघ्र निस्तारण के लिए सरकार को भी पर्यावरणीय न्यायालयों में और ज्यादा संसाधन बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए।

रेल पथ की स्वच्छता का प्रश्न

–पंकज चतुर्वेदी–

हाल ही में केरल हाईकोर्ट ने एक स्वतः संज्ञान मामले में कड़े शब्दों में कहा कि रेलवे थोक में कचरा पैदा कर रहा है क्योंकि पटरियों पर पाया जाने वाला अधिकांश कचरा ट्रेनों से आता है। न्यायालय ने कहा कि रेलवे का कर्तव्य है कि वह पटरियों के करीब कचरा फेंकना बंद करे। खास बात यह कि पटरियों पर फेंका गया कचरा जल निकायों में बह जाता है जिससे पर्यावरण को काफी नुकसान होता है। हालांकि स्टेशनों के पास कचरे का उचित प्रबंधन किया जाता है, लेकिन पटरियों के किनारे से कचरे को हटाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए जाते हैं। न्यायालय ने कहा कि डंपिंग का एक कारण डिब्बों में पर्याप्त डस्टबिन नहीं होना है।

भारतीय रेल 66 हजार किलोमीटर से अधिक के रास्तों के साथ दुनिया का तीसरा सबसे वृहत्‌ नेटवर्क है, जिसमें हररोज बारह हजार से अधिक यात्री रेल और करीब सात हजार मालगाड़ियां 24 घंटे दौड़ती हैं। अनुमान है, इस नेटवर्क में हररोज करीब दो करोड़ तीस लाख यात्री तथा एक अरब मीट्रिक टन सामान की ढुलाई होती है। विडंबना है, पूरे देश की रेल पटरियों के किनारे गंदगी, कूड़े और सिस्टम की उपेक्षा की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। कई जगह तो प्लेटफार्म भी अतिक्रमण, अवांछित गतिविधियों और कूड़े का ढेर बने हैं।

देश की राजधानी दिल्ली से आगरा के रास्ते दक्षिणी राज्यों, सोनीपत–पानीपत के रास्ते पंजाब, गाजियाबाद की ओर से पूर्वी भारत, गुरुग्राम के रास्ते जयपुर की ओर जाने वाले किसी भी रेलवे ट्रैक को दिल्ली शहर के भीतर ही देख लें तो जाहिर हो जाएगा कि देश के असली कचरा–घर तो रेल पटरियों के किनारे ही संचालित हैं। सनद रहे, ये सभी रास्ते विदेशी पर्यटकों के लोकप्रिय रूट हैं और जब दिल्ली आने से 50 किलोमीटर पहले से ही पटरियों के दोनों तरफ कूड़े, गंदे पानी, बदबू का अम्बार दिखता है तो उनकी निगाह में देश की कैसी छवि बनती होगी। सराय रोहिल्ला स्टेशन से जयपुर जाने वाली ट्रेन लें या अमृतसर या चंडीगढ़ जाने वाली वंदे भारत, जिनमें बड़ी संख्या में एनआरआई भी होते हैं, गाड़ी की खिड़की से बाहर देखना पसंद नहीं करते। इन रास्तों पर रेलवे ट्रैक से सटी झुग्गियां, खुले में शौच जाते लोग उन विज्ञापनों को मुंह चिढ़ाते दिखते हैं जिनमें सरकार के स्वच्छता अभियान की उपलब्धियों के आंकड़े होते हैं।

असल में रेल पटरियों के किनारे की कई–कई एकड़ भूमि अवैध अतिक्रमणों की चपेट में है। इन पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त भूमाफिया का कब्जा है जो वहां रहने वाले गरीब मेहनतकश लोगों से वसूली करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोगों के जीविकोपार्जन का जरिया कूड़ा बीनना या कबाड़ी का काम करना ही है। ये पूरे शहर का कूड़ा जमा करते हैं, अपने काम का सामान निकाल कर बेच देते हैं और बकाया को पटरियों के किनारे ही फेंक देते हैं, जहां धीरे–धीरे गंदगी के पहाड़ बन जाते हैं। यह भी आगे चलकर नई झुग्गी का मैदान होता है। दिल्ली से फरीदाबाद रास्ते को ही लें, यह पूरा औद्योगिक क्षेत्र है। हर कारखाने वाले के लिए रेलवे की पटरी की तरफ का इलाका अपना कूड़ा, गंदा पानी आदि फेंकने का निःशुल्क स्थान होता है। वहीं इन कारखानों में काम करने वालों के आवास, नित्यकर्म का भी बेरोकटोक गलियारा रेल पटरियों की ओर ही खुलता है।

कचरे का निपटान पूरे देश के लिए समस्या बनता जा रहा है। यह सरकार भी मानती है कि देश के कुल कूड़े के महज पांच प्रतिशत का ईमानदारी से निपटान हो पाता है। दिल्ली का तो 57 फीसदी कूड़ा परोक्ष–अपरोक्ष रूप से यमुना में बहा दिया जाता है या फिर पटरियों के किनारे फेंक दिया जाता है।

पटरियों के किनारे जमा कचरे में खुद रेलवे का भी बड़ा योगदान है। खासकर शताब्दी, वंदे भारत, राजधानी जैसी प्रीमियम गाड़ियों में, जिनमें ग्राहक को अनिवार्य रूप से तीन से आठ बार तक भोजन परोसने होते हैं। इन दिनों पूरा भोजन पेक्ड और सिंगल यूज बर्तनों में ही होता है। हर रोज अपना मुकाम आने से पहले खानपान व्यवस्था वाले कर्मचारी बचा भोजन, बोतलें, पैकिंग सामग्री के बड़े–बड़े थप्पे चलती ट्रेन से पटरियों के किनारे फेंक देते हैं। यदि हर दिन एक रास्ते पर दस डिब्बों से ऐसा कचरा फेंका जाए तो जाहिर है कि एक साल में उस वीराने में प्लास्टिक जैसी नष्ट न होने वाली चीजों का अम्बार होगा।

जिस कंपनी में काम करता था उसी कंपनी के एजेंट को साथियों के साथ मिलकर लूट लिया, पांच गिरफ्तार

संवाददाता—गोण्डा। जिस कंपनी में काम करता था। उसी कंपनी के एजेंट को लूटने की पूरी योजना बना डाली। इसने रुपए लेकर आने—जाने का समय जानने के बाद शातिर लुटेरों के साथ मिलकर कंपनी में काम करने वाले एजेंट से लाखों रुपए लूट लिया। मामले का खुलासा करते हुए नवाबगंज पुलिस ने अंतर्जनपदीय पांच शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट के रुपए, माइक्रो एटीएम डिवाइस सहित अन्य आइटम बरामद किया है।

जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र के टिकरी गांव के रहने वाले विनोद कुमार पांडे पुत्र पारस पांडे अपने सहयोगी विपिन कुमार निषाद के साथ बाइक पर सवार होकर सीएसपी का पैसा फैजाबाद से टिकरी सीएसपी ले जा रहे थे। इसी दौरान बीते 4 जुलाई को टिकरी मोड पर अचानक मोटरसाइकिल पर सवार बदमाशों ने विनोद को रोक लिया। बदमाशों ने विनोद और विपिन को डंडे से मार कर रुपयों से भरा बैग छीन लिया था। मामले में विनोद पांडे के शिकायती पत्र पर नवाबगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की। लूट की सूचना मिलते ही पुलिस के हाथ पांव फूल गए। नवाबगंज पुलिस सहित उच्च अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर जायजा लिया। डॉग स्क्वायड व फील्ड यूनिट टीम के निरीक्षण के बाद पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने मामले के खुलासे के लिए एसओजी, सर्विलांस टीम सहित पांच टीमों का गठन किया था। सर्विलांस टीम के जरिए पुलिस ने आरोपियों के मौके पर मौजूदगी को चिन्हित कर लिया।आरोपियों को चिन्हित करने के बाद पुलिस टीम ने सरयू पुल अयोध्या बस्ती मार्ग स्थित खाली मड़हे से बस्ती जिले के कलवारी थाना क्षेत्र अंतर्गत डारी डीहा गांव के रहने वाले सुधाकर पांडे पुत्र संतोष कुमार पांडेय, बस्ती जिले के थाना कोतवाली अंतर्गत सियरापार कूप नगर चमौरा के रहने वाले ऋषभ चौधरी पुत्र रामनारायण चौधरी, सिद्धार्थनगर जनपद के पतराबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत विलवत पतरा बाजार के रहने वाले अनुराग त्रिपाठी पुत्र कृष्ण कुमार त्रिपाठी, बस्ती जनपद अंतर्गत थाना पुरानी बस्ती के चौनपुरवा निवासी हर्षित शुक्ला उर्फ गौरव शुक्ला पुत्र दुर्गा प्रसाद शुक्ला और अयोध्या जनपद के रौनाही थाना क्षेत्र अंतर्गत सनाहा उपरहर गांव के रहने वाले प्रशांत दुबे पुत्र महेंद्र कुमार दुबे को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पुलिस को पूछताछ के दौरान बताया कि लूट की घटना में आठ लोग शामिल थे। आरोपी सुधाकर पांडे 16 माह से फाइनेंस कंपनी में काम करता है। जिससे लूट की गई थी वह उसी कंपनी से पैसा लेकर आता है। पैसा लेकर आने जाने की जानकारी सुधाकर ने साथियों को उपलब्ध कराई। इसके बाद 4 जुलाई की शाम अयोध्या के नया घाट पुल के पास सब लोग इकट्ठा होकर योजना बनाए। विनोद के पैसा लेकर निकलते ही सुधाकर के कहने पर शिवा उपाध्याय ने फोन पर बता दिया। विनोद अपने साथी के साथ पैसा लेकर जा रहा था। योजनाबद्ध तरीके से मोटरसाइकिल से सवार होकर उसका पीछा करने लगे, एकांत जगह देखकर पीछे से डंडा मार कर रुपए से भरा बैग लूट कर फरार हो गए।

लूट के रुपए बरामदपुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि थाना नवाबगंज पुलिस को बीते 4 जुलाई को देर रात सूचना मिली कि एक फाइनेंस कंपनी के दो एजेंट कैश लेकर अपने घर की तरफ जा रहे थे। दो बाइक पर सवार अज्ञात बदमाशों ने डंडे से वार कर रुपपों से भरा बैग छीन ले गए। सूचना पर पुलिस के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू की गई। इसका खुलासा करने के लिए एसओजी और सर्विस लांस समेत पांच टीमों को लगाया गया था। टीम ने चार दिन के भीतर पूरी घटना का खुलासा करते हुए पांच अंतर्जनपदीय शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 3 लाख 2 हजार रुपए बरामद तथा लूट गए एटीएम कार्ड थैला घटना में शामिल तीन मोटरसाइकिले बरामद की गई है। घटना का मुख्य सरगना सुधाकर पांडे ने जिस फाइनेंस कंपनी में काम करता था। उसी फाइनेंस कंपनी से इन एजेंटों ने रूपया निकाला था। इसके बाद सुधाकर पांडे ने लूट की पूरी योजना बनाई। और अपने साथियों के साथ मिलकर पूरी घटना का अंजाम दिया। सुधाकर पांडे का अपराधिक इतिहास भी है। मामले में पांच बदमाशों को आज जेल भेजा जा रहा है। अन्य की शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी।

ट्रैक्टर से टकरा कर आग का गोला बनी मोटरसाइकिल, महिला सहित तीन की मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले के सिरसिया से नेपाल लौट रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल बेचुआ गांव के निकट मंगलवार रात ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। इस दौरान मोटरसाइकिल में आग लग गई। टक्कर तेज होने के कारण मोटरसाइकिल चला रहे युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि साथ में मौजूद महिला व एक अन्य सवार गंभीर रूप से घायल हो गया जिन्हें सीएचसी सिरसिया ले जाया गया। जहां से दोनों को भिनगा रेफर किया गया था। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। नेपाल राष्ट्र के बांके जिला अंतर्गत खास कुसमा छह निवासी गोवर्धन धर्ती (38) पुत्र खली राम मंगलवार को मोटरसाइकिल से भारतीय क्षेत्र में कहीं गया था। जहां से मंगलवार देर रात बांके जिला के पुराना नाका निवासी रामबहादुर (35) पुत्र केदार सिंह व कल्पना (28) के साथ मोटरसाइकिल से वापस नेपाल लौट रहा था। जैसे ही गोवर्धन मोटरसाइकिल लेकर चिल्हरिया राजपुर मार्ग स्थित सिरसिया थाना क्षेत्र के बेचुआ गांव के निकट पहुंचा तभी सामने से गल्ला लाद कर आ रही ट्रैक्टर ट्राली से मोटरसाइकिल की भिड़ंत हो गई। टक्कर तेज होने के कारण मोटरसाइकिल की टंकी फटने से उसमें आग लग गई। जिससे मोटरसाइकिल आग का गोला बन गई।

इस दौरान ट्राली के नीचे आ जाने से गोवर्धन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि राम बहादुर व कल्पना गंभीर रूप से घायल हो गई जिन्हें मौके पर पहुंची राजपुर चौकी पुलिस ने सीएचसी सिरसिया पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने के कारण दोनो को संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा रेफर कर दिया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में लेकर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। इस बारे में एसपी घनश्याम चौरसिया का कहना है कि मृतक के मिले मतदाता पहचान पत्र से उनकी पहचान हुई है। परिवार के लोगों को सूचना भेजी गई है।

दलित किशोर ने तीन दबंगों पर पेशाब पिलाने का लगाया आरोप, गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले के गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुर बिलेला निवासी एक किशोर का वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें उसने गांव के ही तीन लोगों पर बियर की बोतल में पेशाब कर उसे पिलाने का आरोप लगाया है। मामले में किशोर के भाई की तहरीर पर गिलौला पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित के अनुसार एक जुलाई को गांव के ही किशन उर्फ भूरे तिवारी पुत्र बड़के उर्फ पवन ने उसके 15 वर्षीय छोटे भाई से डीजे मशीन रखवाने को कहा था जिसे रखवा कर लौटते समय तीनों ने उसे दोबारा जेनरेटर रखवाने को कहा था। आरोप है तभी मोटरसाइकिल से पहुंचे गांव के ही दिलीप मिश्रा पुत्र बाबूराम, सत्यम तिवारी पुत्र रमाकांत ने उसे रोक लिया।

इस दौरान दिलीप मिश्रा ने बियर की बोतल में भरकर किशोर को पेशाब पिलाने का प्रयास किया। किशोर के विरोध करने पर आरोपी ने उसे मारा पीटा साथ ही तमंचा दिखाते हुए जान से मारने की धमकी दिया। तभी सत्यम व किशन ने किशोर को जमीन पर पटक कर पेशाब पिला दिया साथ ही मामले की शिकायत करने पर जान से मारने व गांव से उजाड़ने की धमकी भी दिया। पीड़ित की तहरीर पर गिलौला पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक गिलौला महिमा नाथ उपाध्याय का कहना है कि मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जिले को मिले 59 लेखपाल 44 को मिला नियुक्ति पत्र

संवाददाता—श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित हुए लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। जिसका सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। जिले को 59 लेखपाल मिले हैं। जिसमें से बुधवार को 44 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में सांसद श्रावस्ती राम शिरोमणि वर्मा, अध्यक्ष जिला पंचातय दद्दन मिश्रा, विधायक श्रावस्ती रामफेरन पाण्डेय, विधायक भिनगा इंद्राणी वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनधि मौजूद रहे। सभी लोगों ने मुख्यमंत्री का वर्चुअल सम्बोधन देखा। इसके बाद जनप्रतिनिधियों ने नवनियुक्त 44 लेखपालों को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बताया जाता है कि जिले में कुल 59 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। जिसमें से सात अभ्यर्थी नियुक्ति पत्र लेने नहीं आये, दो अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है तथा छह अभ्यर्थियों ने अब तक अपना स्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया है। जनप्रतिनिधियों ने नवनियुक्त लेखपालों को मेहनत से काम करने की अपील की। इस अवसर पर जिला महामंत्री रमन सिंह, सदस्य विधान परिषद साकेत मिश्रा के प्रतिनिधि सदन तिवारी, उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल, इकौना ओम प्रकाश, जमुनहा एसके राय, उपजिलाधिकारी अरूण कुमार, विश्वनाथ, नाजिर चन्द्रमौली श्रीवास्तव, गुरुवचन सिंह, आशुतोष पाण्डेय, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि गिलौला प्रकाश चन्द्र, विनय कुमार तिवारी सहित राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

तीन सड़क हादसों में चार की मौत, चार घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। तीन अलग अलग सड़क हादसों में तीन नेपाली नागरिकों सहित चार लोगों ने दम तोड़ दिया। जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया जहां से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

एक महिला समेत तीन नेपाली नागरिक मंगलवार को भारतीय क्षेत्र के सिरसिया आए थे। तीनों देर रात एक बाइक से वापस नेपाल लौट रहे थे। इस दौरान सिरसिया थाना क्षेत्र के चिल्हरिया मोड़ से ताल बघौड़ा मार्ग पर स्थित बेचुआ गांव व राजपुर मोड़ के बीच में पहुंचते ही अनियंत्रित होकर सामने से अनाज लादकर आ रही ट्रैक्टर ट्राली से बाइक तेज गति से टकरा गई। टक्कर इतना भयानक था कि चिंगारी निकलने से बाइक में आग लग गई और बाइक धूं धूं कर जलने लगी। वहीं हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक महिला व एक युवक गंभीररूप से घायल हो गए। लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। इस पर राजपुर मोड़ पुलिस चौकी की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी सिरसिया भिजवाया, जहां हालत गंभीर देखते हुए सीएचसी अधीक्षक डाक्टर प्रवीण कुमार ने दोनों को जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया। एंबुलेंस से दोनों घायलों को जिला अस्पताल भिनगा ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना स्थल पर मरने वाले युवक की पहचान गोवर्धन घर्ती (36) पुत्र खलीराम निवासी खास कुसमा जिला बांके राष्ट्र नेपाल तथा जिला अस्पताल में मृत घोषित किए गए युवक की पहचान राम बहादुर (35) पुत्र केदार सिंह निवासी पुराना नाका जिला बांके राष्ट्र नेपाल व कल्पना (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने पंचनामा के बाद तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जाता है कि बाइक की रफ्तार तेज होने के कारण अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गए और तीनों की मौत हो गई। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंच गए और पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया।

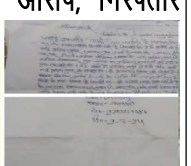

कोर्ट परिसर में जिला जज ने किया पौधरोपण

संवाददाता—गोण्डा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को सिविल कोर्ट परिसर में पौधरोपण किया गया। जिला जज सहित न्यायिक अधिकारियों ने पौधरोपण किया। प्राधिकरण के सचिव दानिश हसनैन ने बताया कि सभी न्यायिक अधिकारियों ने पौधरोपण किया और पर्यावरण सरंक्षण की अपील की। इस मौके पर वन विभाग व न्याय विभाग के अफसर व कर्मचारी मौजूद रहे।

बंगाल में सनातन समाज पर बर्बरता को लेकर रखा मौन

—संवाददाता भारतीय बस्ती—

अयोध्या ।बंगाल राज्य में सनातन समाज के साथ हो रही बर्बरता को लेकर सोशल मीडिया से प्राप्त होने वाली अबतक लगभग सभी सूचनाओं को महामहिम राष्ट्रपति महोदया से अपने ट्विटर अकाउंट से साझा करते हुए कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित करने की मांग लगातार करता आ रहा हूं स्थिति भयावह रूप धारण कर चुकी है।बंगाल राज्य पर महामहिम का ध्यान आकृष्ट कराने हेतु 15 जुलाई से अखिल ब्रह्माण्ड नायक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम चन्द्र जी को साक्षी मान मौन धारण कर राष्ट्रहित

में बंगाल राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर अवैध रूप से बसाए गए करोड़ों रोहिंग्या बांग्लादेशी आतंकियों को बलपूर्वक भारत की सीमा से बाहर खदेड़ने की मांग की जाएगी,यह जानकारी देते हुए रामादल अध्यक्ष पण्डित कल्कि राम ने बताया कि गुप्त नवरात्रि महापर्व चल रहा है जिसमे वर्ष 2014 से माननीय प्रधानमन्त्री नरेन्दर दामोदरदास मोदी जी के निमित्त चल रहे धार्मिक अनुष्ठान अन्तर्गत नौ दिवसीय महायज्ञ शुरू है जिसकी पूर्णाहुति 15 जुलाई शुभ दिन सोमवार को मध्याह्न बेला के अभिजित मुहूर्त में सम्पन्न कर सायं 7 बजे से भगवती महासरस्वती जी का आवाहन कर बंगाल राज्य के प्रति महामहिम राष्ट्रपति महोदया जी का ध्यान आकर्षित कराने की प्रार्थना करते हुए मौन उपासना का कर्म शुरू किया जाएगा।

डिप पर तेज बहाव में पलटा सीमेंट लदा ट्रक

संवाददाता—बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के अलग—अलग मुख्य मार्गों पर दो से तीन फीट पानी बह रहा है जिससे राहगीरों को आने—जाने में काफी दिक्कतें हो रही हैं। बुधवार सुबह सीमेंट से लदा ट्रक अटल चौराहा के निकट चेतरा मोड़ के पास डिप पर बाढ़ के तेज बहाव के चलते पलट गया जिसमें लाखों रुपए की सीमेंट भीगकर खराब हो गया। ट्रक पर सवार चालक बाल—बाल बच गया।

तराई क्षेत्र में बाढ़ का पानी तो कम होने लगा है, लेकिन मुख्य मार्गों पर पानी का तेज बहाव जारी है। ललिया—हरिहरगंज मार्ग के लौकहवा व झिन्ने नाला डिप पर तीन से चार फीट पानी बह रहा है। इस मार्ग पर जिला प्रशासन ने नाव की व्यवस्था की है। जिस पर राहगीरों को निरूशुल्क लाया व ले जाया जा रहा है। सिटकिहवा—लालपुर विशुनपुर मार्ग के कमदी, ललिया भवनियापुर मार्ग के हेंगहा, कोड़री—मथुरा मार्ग के बढ़ईपुरवा व चेतरा मोड़ डिप पर दो से तीन फीट पानी बह रहा है। राहगीर व चार पहिया वाहन चालक जान जोखिम में डालकर किसी तरह आवागमन कर रहे हैं।

नाव से नदी पार कर ससुराल गई दुल्हन

संवाददाता—महराजगंज। जिले में भारी बारिश से नदियां उफान पर हैं, सबसे बुरी दशा उन गांवों की है जहां बाढ़ का पानी घुसा हुआ है। ऐसा ही एक मामला नौतनवा तहसील क्षेत्र के गांव सेमरहवा में सामने आया है। बीते मंगलवार को बैजनाथ यादव के बेटी की शादी थी। बरसात के कारण नदी में आई बाढ़ से गांव में जाने के लिए एकमात्र सहारा नाव ही है।बारात रात लगभग 9 बजे रोहिन नदी के भठवा घाट पर पहुंची, जहां से दूल्हे के साथ बारात नाव से पार कर सेमरहवा पहुंची।

नौतनवा तहसील क्षेत्र का गांव सेमरहवा एक तरफ से सोहगीबरवा वन्य जीव प्रभाग उत्तरी चौक रेंज के टेढ़ी घाट बीट के जंगल और तीन तरफ से रोहिन और बघेला नदी के बीच बसा हुआ है। इस गांव की आबादी छह हजार से अधिक है। यहां सेमरहवा खास, बरतानी,चरैया और भठवा चार टोले हैं।इस गांव मे आने जाने के लिए एक मात्र सहारा नाव ही है। ग्रामीण गांव से तीन किलोमीटर पैदल चलकर रोहिन नदी के कुआहवा घाट पर नाव से पार कर अपनी जरूरत के लिए जाते हैं। सेमरहवा गांव के बैजनाथ यादव उर्फ मजनू के बेटी बेबी यादव की शादी नौतनवा थाना क्षेत्र के गांव बैरवा बनकटवा के हरिराम यादव के बेटे विजय यादव के साथ तय हुई थी।

मंगलवार को बारात बैरवा बनकटवा से सेमरहवा के लिए चली रोहिन नदी में बाढ़ आने के कारण बारात नदी के पार रुक गई और सभी वाहन खड़ा कर बाराती सिर पर समान लेकर नाव से नदी पार किए तब जाकर गांव में पहुंचे जहां द्वारपूजा के बाद शादी की रश्म पूरी हुई ।बुधवार को सुबह बारात विदाई हुई। बाराती सारा सामान सिर पर रखकर नाव से नदी पार किए। लगभग 11 बजे दुल्हा विजय यादव दुल्हन बेबी यादव को पैदल लेकर चलकर घाट पर पहुंचा बरसात होने से फिसलन के बीच किसी तरह से दुल्हन को लेकर नाव पर चढ़ा साथ में आई महिलाएं भी दुल्हन को सम्हालते हुए नाव से नदी पार कराया, साथ में आये लोगों ने बताया की विदाई में बहुत कठिनाई हुई।

संदिग्ध हालत में कमरे में रिटायर कर्मी का शव मिला

संवाददाता—बलरामपुर। गोशैसिंहपुर के सिकिया में बुधवार की सुबह एक स्वास्थ्य विभाग से रिटायर बुजुर्ग का शव कमरे में पड़ा मिला। दोस्तपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बुजुर्ग की मौत किन परिस्थितियों में हुई यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के इंतजार में है।

लम्भुआ थाना क्षेत्र के भवनपुर दियरा गांव के मूल निवासी राम रूप यादव (67) चंडीगढ़ में स्वास्थ्य विभाग में पल्मबर के पद पर थे। रिटायर होने के बाद दोस्तपुर थाना क्षेत्र के गोशैसिंहपुर ग्राम पंचायत के सिकिंया में दोस्तपुर बिरसिंहपुर मार्ग के किनारे मकान और दुकान बनवाकर पत्नी राजकुमारी के साथ रहते थे। बताया जाता है कि मकान के बेसमेंट के जिस कमरे में रामरूप सोते थे उसके बगल के कमरे में उनका शव छत में लगे फैन बाक्स के हुक में गमछे के सहारे सुबह लटक रहा था। यह नजारा देख उनकी पत्नी चीखने चिल्लाने लगी। सूचना पर जब दोस्तपुर इंस्पेक्टर राम आशीष उपाध्याय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो राम रूप का शव नीचे फर्श पर रखा गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया।

घटना की जानकारी पर मृतक के सगे सम्बन्धी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। रामरूप की मौत से उनकी पत्नी और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। राम रूप करीब सात सालों से सिंकिया में पत्नी के साथ रह रहे थे। उनके बेटे बृजलाल, गया प्रसाद और कल्लू चंडीगढ़ में नौकरी करते हैं। घटना की सूचना पर बेटे गांव के लिए रवाना हो गए हैं।

शिक्षकों ने की बैठक, पुरानी पेंशन बहाली की मांग

संवाददाता—श्रावस्ती। ऑल टीचर्स एम्प्लॉय वेलफेयर एसोसिएशन अटेवा की जनपद और ब्लाक कार्यकारिणी की एक बैठक बुधवार को पर्यवेक्षक राघवेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में राम आसरे मेमोरियल पब्लिक स्कूल भिनगा में आयोजित की गई। बैठक में पुरानी पेंशन बहाली के लिए प्रमुख बिंदुओं और आगामी रणनीतियों पर चर्चा की गई। राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि 15 जुलाई से 15 सितंबर के मध्य संगठन का सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। सदस्यता अभियान की जिम्मेदारी जिला संगठन मंत्री ज्ञान प्रकाश एवं जिला कोषाध्यक्ष लोकेंद्र कुमार को दी गई। जिला संरक्षक राकेश कुमार सिंह ने कार्यकारिणी के सदस्यों को अनुशासनात्मक तरीके से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। जिला अध्यक्ष स्वप्निल पांडेय ने संगठन की आगामी रणनीतियों के बारे में जानकारी दी। बैठक में घनश्याम, अवधेश कुमार वर्मा, प्रदीप कुमार मिश्रा, राकेश गौतम, अभिनव सिंह, राजकुमार उपाध्याय, दयाशंकर, रोहित कुमार, धर्मेंद्र कुमार, आदि अन्य लोग मौजूद रहे।

महेश योगी ने हनुमान जी महाराज के सम्मुख 19 घंटे किया कपालभाति प्राणायाम

—संवाददाता भारतीय बस्ती—

अयोध्या। सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी बसंतिया पट्टी के लोकप्रिय संत, श्री हनुमान जी के अनन्य भक्त, डा. महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी ने हनुमान जी को साक्षी मानकर 2 अप्रैल 2024 से अन्न का त्याग कर प्रतिदिन 11 घंटे कपालभाति करने का संकल्प लिया था। आज सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी में श्री हनुमान जी के सम्मुख प्रातः 4 बजे मंगला आरती से रात्रि 11बजे शयन आरती तक कपालभाति किया तथा अनवरत साधना के सौ दिन पुर्ण हुए। इन्होंने 100 दिन की साधना पुर्ण करने के साथ ही लगभग 1100 घण्टे में कपालभाति प्राणायाम के एक करोड़ स्ट्रोक लगाकर एक आश्चर्य जनक विश्व कीर्तिमान बनाकर पूरी दुनिया में अयोध्या धाम का गौरव बढ़ाया है।

स्वामी महेश योगी ने निराहार रहकर लगातार 80 दिनों में अष्टसिद्धि योग साधना पूर्ण की तत्पश्चात अब 71 दिनों तक रूद्र राजयोग की साधना कर रहे हैं। स्वामी जी की यह साधना एक कठोर दृढ़ संकल्प की पूर्ति के लिए है इनका उद्देश्य है भारत के चारों दिशाओं में चार दिव्य योगधाम की स्थापना करना है, जिसमें पश्चिम भारत गुजरात में रूद्र धाम, उत्तर भारत जम्मू कश्मीर में हनुमत धाम, दक्षिण भारत केरल में रामेष्ठ धाम, पूर्वी भारत मेघालय में पिगाक्ष धाम तथा अयोध्या की पावन भूमि पर ब्रह्मर्षि वशिष्ठ योगपीठ की स्थापना। यह योग धाम आध्यात्मिक केंद्र के साथ—साथ प्राचीन भारतीय संस्कृति के अनुरूप योगतत्व, ज्ञानतत्व, ऋषि दर्शन, वैदिक दर्शन, धार्मिक शिक्षा व साधना का प्रमुख केन्द्र होगा जहां से भारत की भावी पीढ़ी सनातनी संस्कार ग्रहण कर सके जिससे योग, आध्यात्म, तप, साधना, संस्कार एवं अनुसंधान के पथ पर नए भारत का अभ्युदय हो और भारत विश्वगुरु के रूप में पुनर प्रतिष्ठित हो।14 वर्ष की उम्र से ही संत जीवन में रह रहे स्वामी महेश योगी ने पूर्व में भी अनेकों आश्चर्यजनक विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। शिक्षा जगत के कई बड़े पदों पर भी कार्य कर चुके हैं। योग, कला, साहित्य व आध्यात्म के क्षेत्र में अपने साधक शिष्यों के साथ अंतरराष्ट्रीय फलक पर अब तक 114 विश्व कीर्तिमान स्थापित कर दुनिया के फलक पर अयोध्या समेत भारत का गौरव बढ़ाया है ।जिसके उपलक्ष्य में उन्हें अनेकों विश्व खिताबों के साथ साथ भारत गौरव सम्मान, जयप्रकाश नारायण (जेपीअवार्ड), गवर्नर अवॉर्ड, पूर्वांचल गौरव सम्मान, अयोध्या गौरव, सिद्धार्थ नगर रत्न, साहित्य भूषण, कला शिक्षक श्री, राष्ट्रीय योग रत्न, महर्षि धन्वंतरि सम्मान आदि विविध सम्मान प्राप्त हैं। सन 2022 में चित्रकूट, तुलसी पीठाधीश्वर, पद्म विभूषण, जगद्गुरू श्री रामभद्राचार्य जी महाराज ने स्वामी महेश योगी को 'ब्रह्मर्षि ' की उपाधि से भी विभूषित किया।

उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्राधिकरण ने देखी बाढ़ प्रबंधन की तैयारियां

संवाददाता—श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेन्द्र डिमरी ने बुधवार को श्रावस्ती में आपदा प्रबंधन की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने किसान इंटर कालेज स्थित बाढ़ राहत शिविर, फतुहापुर पंचायत भवन व जलभराव ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं की जमीनी समीक्षा की। बाढ़ प्रबंधन में लगे अधिकारियों से की गयी तैयारियों के बारे में जानकारी ली।

इस दौरान उपाध्यक्ष ने निर्देश दिए कि बाढ़ शरणालयों में वहीं पर भोजन बनाने की व्यवस्था की जाए तथा बच्चों को दूध व बुजुर्गों को सुपाच्य भोजन उपलब्ध कराया गया। बाढ़ के उपरान्त हुए नुकसान का सही आंकलन कर राज्य को उपलब्ध कराया जाय तथा इस बाढ़ से हुए नुकसान को कैसे कम किया जाय। इसकी योजना बनायी जाय। श्री डिमरी ने पंचायत भवन फतुहापुर के निरीक्षण के दौरान कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर आपदा प्रबंधन होने से किसी आपदा के समय प्रभावित नागरिकों को बहुत कम समय में ही सहायता मिल सकती है। इससे जान माल का नुकसान बहुत कम हो सकता है । जनपद के आपदा विशेषज्ञ को उन्होंने इस हेतु योजना बनाकर उपलब्ध कराने के लिए कहा। इस दौरान उनके साथ एसडीएम पीयूष रावत, तहसीलदार जमुनहा प्रद्युम्न, चंद्रकांत, आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार मिश्र समेत सभी जिम्मेदार अधिकारी मौजूद रहे।

करंट की चपेट में आने से किसान की मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। खेत में पानी लगाने लिए खेत में बंधे मोटर का तार जोड़ते समय किसान करंट की चपेट में आ गया। परिजनों की ओर से हालत गंभीर देख आनन फानन में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सिरसिया थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी जानकी प्रसाद (47) पुत्र मूसे बुधवार सुबह धान को नर्सरी की बुवाई के लिए अपने खेत में पानी लगाने गया था। जिसके लिए उसने खेत में मोटर बांध रखा था। सुबह बारिश हुई थी और तार गीला था। बताया जाता है कि जानकी प्रसाद ने मोटर का एक तार जोड़ने के बाद जैसे ही दूसरा तार जोड़ने लगा तभी उसका हाथ तार के नंगे स्थान को छू गया और वह करंट की चपेट में आ गया।

आप सांसद संजय सिंह को कोर्ट से मिली सशर्त जमानत

संवाददाता–संतकबीरनगर। आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह बुधवार को जनपद न्यायालय स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजनध्एसीजेएम चेतना त्यागी के कोर्ट में प्रस्तुत हुए। जहां से उन्हें हेट स्पीच के मामले में सर्शत जमानत दे दी गई। पूर्व में चुनाव प्रचार के दौरान उनके खिलाफ हेट स्पीच के मामले में बखिरा थाना पर केस दर्ज हुआ था। मामले में चार्जशीट दाखिल होने के बाद कोर्ट ने उनको नोटिस भेजा था। जिस पर वह कोर्ट में हाजिर हुए।

मामला वर्ष 2020 का है। बखिरा थाना क्षेत्र के बभनी गांव निवासी राधेश्याम मौर्य ने बखिरा थाना पर तहरीर दिया था। उनका आरोप था कि 12 अगस्त 2020 को आम आदमी पार्टी के नेता राज्य सभा सांसद अपने सहयोगियों के साथ प्रेस वार्ता किए थे, जिसमें उन्होने कहा था कि ब्राम्हणों पर अत्याचार हो रहा है।

भाजपा के 58 विधायक ब्राम्हण हैं। उनमे भी गुस्सा है और भी राज्य सभा सांसद ने अपमानजनक, आपत्तिपूर्ण वक्तव्य देकर संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन किया था। तहरीर के आधार पर थाना बखिरा में केस दर्ज हुआ था। विवेचना के बाद पुलिस ने न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया, जिसको संज्ञान में लेकर न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजनध्एसीजेएम ने नोटिस भेजा था।

जानकारी होने के बाद राज्य सभा सांसद संजय सिंह अपने अधिवक्ता प्रकाश प्रियदर्शी, चतुरजी शुक्ल व योगेंद्र यादव के माध्यम से कोर्ट में हाजिर होकर जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। सांसद की तरफ से अधिवक्ताओं ने फर्जी फंसाने की बात न्यायालय के समक्ष रखी, जिस पर विशेष लोक अभियोजक अच्युतानंद शुक्ल ने जमानत प्रार्थना पत्र का विरोध किया।

न्यायालय ने उभय पक्ष सुनने के बाद राज्य सभा सांसद संजय सिंह को 25 हजार रुपये के निजी धनराशि बंध पत्र एवं समान धनराशि के दो प्रतिभू तथा विचारण में सहयोग करने व इस तरह के अन्य अपराध न करने के साथ ही साक्ष्य के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ न करने के आधार पर सर्शत जमानत स्वीकार कर रिहा करने का आदेश दिया।

सभी 20 सेवाओं के लिए सुपर एप बनाएगा रेलवे

संवाददाता–गोरखपुर। रेलवे में अलग–अलग सेवाओं के लिए कई तरह के एप डाउनलोड करने और याद रखने की जरूरत नहीं होगी। रेलवे अब सुपर एप बनाने जा रहा है जिसमें 20 विभिन्न तरह के एप/सेवाएं एक साथ मिल जाएंगी। इसको लेकर रेलवे बोर्ड ने एनईआर समेत चार क्षेत्रीय रेलवे को पत्र जारी किया है। पहले फेज और ट्रायल के रूप में इन्हीं चार जोन को चुना गया है। प्रयोग सफल होने के बाद इसे अन्य क्षेत्रीय रेलों में भी लागू किया जाएगा। दरअसल हर समस्या के लिए अलग एप होने से यात्रियों को असुविधा होती है। इसलिए सुपर एप विकसित किया जा रहा है। रेलवे का यह सुपर एप तकनीकी रूप से काफी एडवांस होगा और लगभग सभी सेवाओं को एक ही छत के नीचे लाने का काम करेगा। इसके जरिए आप टिकट बुकिंग और ट्रेन की ट्रैकिंग जैसे कई सारे काम एक ही जगह कर सकेंगे। इसे जल्द ही लांच किया जाएगा। रेलवे बोर्ड ने पहले फेज में पूर्वोत्तर रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और उत्तर पश्चिम रेलवे को ट्रायल का जिम्मा सौंपा है।

रेलवे बोर्ड एनईआर, एनआर, एनडब्ल्यूआर और एनसीआर को ट्रायल के लिए लिंक भेज दिया है। अब लिंक से चारों रेलवे उसे टेस्ट करेंगे और उसकी रिपोर्ट बोर्ड को भेजेंगे। एक सुपर एप के लांच हो जाने के बाद मोबाइल में विभिन्न सेवाओं के लिए अलग–अलग एप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। एक एप से एक ही क्लिक में सभी सुविधाएं और जानकारी मिल जाएगी। फिलहाल आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट एप भारतीय रेलवे का सबसे लोकप्रिय मोबाइल एप्लीकेशन है। इसके लगभग 10 करोड़ डाउनलोड हैं। इसके अलावा रेल मदद, यूटीएस, सतर्क, टीएमएस निरीक्षण, आईआरसीटीसी एयर एंड पोर्ट जैसे कई और एप भी काम कर रहे हैं। रेलवे की कोशिश है कि सभी इन सभी एप को एक ही एप्लीकेशन में समाहित कर दिया जाए। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पूर्वोत्तर रेलवे में एप का प्रयोग वर्तमान में करीब पांच लाख लोग कर रहे हैं।

मर चुके ताऊजी, विवेचना में जिंदा मिले, अब 'डीएनए' करेगा फैसला

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार के छितौना गांव के 77 साल के एक बुजुर्ग को अपनी पहचान साबित करने के लिए डीएनए टेस्ट कराना होगा। पुलिस इसकी तैयारी कर रही है। उनके सामने यह संकट उसके भतीजे के कारण आया है। क्योंकि भतीजे के अनुसार, उसके चाचा 50 साल पहले घर से गायब हो गए थे फिर नहीं लौटे। अब अचानक जो व्यक्ति उसका चाचा बनकर सामने आया है वह उसका चाचा नहीं है। गलत व्यक्ति को उसका चाचा बनाकर भू माफिया ने 30 डिसमिल जमीन अपनी पत्नी के नाम लिखवा ली है। खोराबार के छितौना गांव के 77 साल के एक बुजुर्ग को अपनी पहचान साबित करने के लिए डीएनए टेस्ट कराना होगा। पुलिस इसकी तैयारी कर रही है। उनके सामने यह संकट उसके भतीजे के कारण आया है। क्योंकि भतीजे के अनुसार, उसके चाचा 50 साल पहले घर से गायब हो गए थे फिर नहीं लौटे।

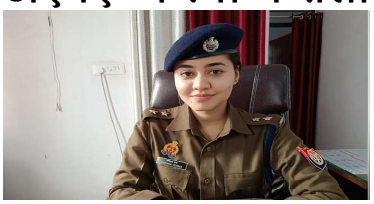

अब अचानक जो व्यक्ति उसका चाचा बनकर सामने आया है वह उसका चाचा नहीं है। गलत व्यक्ति को उसका चाचा बनाकर भू माफिया ने 30 डिसमिल जमीन अपनी पत्नी के नाम लिखवा ली है। भतीजे की तहरीर पर जब पुलिस ने जांच की तो पांच महीने बाद पुलिस ने भी माना कि जमीन बैनामा करने वाला व्यक्ति सही है। पर भतीजा इसे मान नहीं रहा। इसलिए अब डीएनए टेस्ट से पहचान कराई जाएगी।

खोराबार पुलिस ने छितौना गांव निवासी रामसरन की तहरीर गांव के ही राम सिंह निषाद, उसकी पत्नी गुड्डी और रामसरन का चाचा रामकेवल बनकर जमीन लिखने वाले कौड़ीराम निवासी बुजुर्ग रामकवल पर केस दर्ज किया था। रामसरन का आरोप है कि दिसंबर 2023 में चोरी से जमीन का बैनामा कराया गया। इसका पता चलने पर उसने सात फरवरी को केस दर्ज कराया। पांच माह से इस मामले की जांच चल रही है। पुलिस विवेचना में नया मोड़ सामने आया है कि रामकवल ही रामकेवल है। इसके बाद से ही पीड़ित ने दौड़भाग शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि कई रिश्तेदारों ने रामकवल को ही रामकेवल बताया है। रामकवल द्वारा एक ही फोटो से बनवाए गए आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड की जांच चल रही है। आधार कार्ड में किन–किन कागजों का इस्तेमाल किया गया है। इसकी जानकारी दिल्ली से जुटाई जा रही है।

क्षेत्र के छितौना गांव निवासी रामसरन का आरोप है कि रामकवल को गांव का कोई व्यक्ति नहीं पहचानता है। कुछ लोगों को लालच देकर पहचान के लिए तैयार किया गया है। जिस व्यक्ति को खड़ा कर जमीन लिखवाई गई है, उसकी पहचान कौड़ीराम गजपुर निवासी रामकवल पुत्र रामकिशुन के रूप में हुई है। इसके आधार कार्ड समेत अन्य कागजात पर पिता का नाम विपत लिखा हुआ है। ये सारी साजिश भू माफिया द्वारा रची गई है। कुछ रुपये की लालच देकर बुजुर्ग को साजिश में शामिल किया गया है। आरोप है कि भू माफिया ने पहले पत्नी के नाम जमीन लिखवाई, फिर उसे टुकड़ों में अन्य लोगों को बेच रहा है। पुलिस की जांच में सही बातें सामने आ जाएंगी। सीओ कैंट अंशिका वर्मा ने बताया कि ये काफी अलग तरह का मामला है। पुलिस इसमें हर पहलुओं की जांच कर रही है। इसलिए अभी तक इसकी विवेचना पूरी नहीं हो पाई है। रामकवल के आधार कार्ड और अन्य कागजों की जांच कराई जा रही है।

नए कानून में आईपीसी की धारा–377 के विकल्प को लेकर उलझी पुलिस

संवाददाता–गोरखपुर। नए कानून में आईपीसी की धारा 377 का विकल्प नहीं मिल रहा। ऐसे मामले सामने आने के बाद पुलिस उलझ जा रही है। ऐसा ही एक मामला तीन दिन पहले गोरखपुर के सहजनवा थाने में सामने आया, जहां 12 साल के बच्चे से कुकर्म की घटना हो गई तो पुलिस ने काफी माथापच्ची करनी पड़ी। नाबालिग होने की वजह से पुलिस ने इस केस में लैंगिग अपराध एक्ट (पॉक्सो) तहत केस दर्ज किया। अब सवाल यह है कि यदि पीड़ित बालिग होता तो पुलिस क्या करती? क्या कोई केस ही दर्ज नहीं हो पाता। एक जुलाई से आईपीसी को खत्म कर नए केस में बीएनएस के तहत केस दर्ज किए जा रहे हैं। नए कानून में समलैंगिकता को अपराध नहीं माना गया है। 18 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग को माना गया है, उसके साथ इस तरह की घटना नहीं हो सकती है। अगर एक से अधिक लोग जबरन घटना करते हैं तो फिर दुष्कर्म की श्रेणी में आ जाएगा। कानून नया होने की वजह से अभी पुलिस वालों को भी काफी समझना पड़ रहा है। इसी बीच सहजनवा इलाके के एक पिता ने पुलिस को सूचना दी कि उसके बच्चे के साथ गलत घटना हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो घटना सही भी निकली। फिर केस दर्ज करने के लिए धारा पर माथापच्ची शुरू हुई। कानून के पन्ने पलटने के बाद तय किया गया कि पॉक्सो एक्ट में केस को दर्ज किया जाएगा। अब इसमें सजा भी अपराध के गंभीरता के आधार पर ही तय होगी।

शैक्षिक परिसरों में राष्ट्रीयता के भाव का जागरण अभाविप का ध्येय

संवाददाता–अयोध्या। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की महानगर ईकाई की ओर से संगठन के 75 वें स्थापना दिवस को राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया गया। इसके साकेत महाविद्यालय के जेपीएन सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि व महानगर संघ चालक प्रो. विक्रमा प्रसाद पांडेय ने कहा कि युवा चेतना सामाजिक परिवर्तन का वाहक है। युवा आयु के आधार पर नहीं बल्कि असंभव को संभव बनाने के लिए प्रयत्नशील रहने वाला ही युवा है। विद्यार्थी परिषद ने अपने 75 वर्ष की ध्येय यात्रा में ऐसे युवाओं के चरित्र को गढ़ने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि अभाविप विवेकानंद को अपना आदर्श मानती है। यह संगठन की दूरदर्शिता का सूचक है। संगठन ने रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया है जिससे अच्छे समाज व राष्ट्र का निर्माण हो सके व शैक्षिक परिसरों में राष्ट्रीयता के भाव का जागरण हो। विशिष्टि अतिथि व महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह ने कहा कि 75 वर्षों की यात्रा में विद्यार्थी परिषद ने अनेक उपलब्धियां अपने नाम की है। विद्यार्थी परिषद सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के पुनीत कार्य में प्रत्येक युवा को आगे आना चाहिए। मुख्य वक्ता शिवम मिश्रा ने कहा कि इच्छा शक्ति के बल पर असंभव कार्य को भी संभव बनाया जा सकता है।

संगोष्ठी में आए अतिथियों का स्वागत महानगर अध्यक्ष डॉ आलोक सिंह, महानगर मंत्री सत्यम दुबे व साकेत ईकाई अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह ने किया जबकि संचालन साकेत इकाई के मंत्री रत्नेश सिंह ने किया। संगोष्ठी में प्रांत छात्रा प्रमुख डा. मोनिका परमार, महानगर उपाध्यक्ष डा. लोकेंद्र उमराव, डा. अवधेश शुक्ला, नगर अध्यक्ष डा. प्रशान्त पांडेय, नगर उपाध्यक्ष डा. विन्ध्या कुमार, एमएलएमएल इंटर कॉलेज के प्रवक्ता डा. राम कुमार शुक्ला, प्रो. डा. प्रशांत पांडेय, प्रांत संयोजक आशुतोष राणा, विभाग कार्यलय मंत्री दुर्गेश तिवारी, विभाग संगठन मंत्री अंकित भारतीय, महानगर संगठन मंत्री राजवर्धन, सहमंत्री अंश जायसवाल, प्रियांशु तिवारी, जयप्रकाश शुक्ला, अनुराग तिवारी, यश पाठक, आयुष सिंह, विपिन पांडेय व पूर्व पदाधिकारी अवधेश पांडेय बादल, राजीव पाठक जन्मेजय सिंह व राजहंस मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम राज पुत्र फागू यादव निवासी– 5 जाजूपुर कुकरहा, तहसील–हरैया, जनपद–बस्ती, (उत्तर प्रदेश) पिन कोड 272127 है जो गलती से आधार कार्ड में राज यादव दर्ज हो गया है जो गलत है। मेरा शुद्ध एवं सही नाम राज पुत्र फागू है। इसे सही कराया जाय।

(राज पुत्र फागू यादव)
निवासी– 5 जाजूपुर कुकरहा
हरैया जनपद–बस्ती
(उत्तर प्रदेश) 272127

ईयर व हेड फोन के अत्यधिक प्रयोग से बढ़ रहा बहरापन

संवाददाता–अयोध्या। भारत सरकार व प्रदेश सरकार युवाओं में बढ़ते बहरेपन की समस्या से चिंतित हैं। इस समस्या के निदान के लिए भारत सरकार ने राज्य सरकारों को गाइडलाइन जारी कर जन जागरुकता बढ़ाने की अपेक्षा की है। भारत सरकार के इसी गाइडलाइन के संदर्भ में पांच जुलाई 2024 को निर्गत शासनादेश के माध्यम से समस्त जिलाधिकारियों व मंडलायुक्त से अपेक्षा की है कि सम्बन्धित सुझावों को प्रसारित कराएं। शासनादेश में सूचित किया गया है कि एक बार श्रवण शक्ति खो जाने पर सामान्य श्रवण यंत्र व कांकेर इंप्लांट से दोबारा श्रवण शक्ति नहीं हासिल हो सकती है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से भेजे गए इस शासनादेश में कहा गया है वायर्ड या इयर प्लगध हेड फोन के अनावश्यक उपयोग पर रोक लगाई जाए। इसके कारण सुनने की क्षमता खराब या अस्थाई तौर पर खत्म हो जाती है। यह भी कहा गया है प्रतिदिन दो घंटे से अधिक समय तक इयर फोनध्हेड फोन के प्रयोग को नियंत्रित करने के सम्बन्ध में पहल की अपेक्षा करते हुए कहा गया है आवश्यकता के अनुसार 50 डेसीबल वाल्यूम में उपयोग करने के लिए जागरूक किया जाए।

शासनादेश में बच्चों को आनलाइन गेमिंग से रोकने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने की अपेक्षा की गयी और कहा गया है जिससे बच्चो को तेज आवाज के आवेग के सम्पर्क में आने से बचाने में मदद मिल सके। शासनादेश में अफसरों से यह अपेक्षा की गयी कि भारत सरकार की ओर से इस सम्बन्ध में दिए गये गाइड लाइन के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए।

बीजेपी की हार के ताने पर बुलडोजर ले आया दूल्हा, शादी में गजब धमाल

संवाददाता–संतकबीरनगर। एक शादी में गजब धमाल मचा। इस धमाल का कनेक्शन चुनावी है। दूल्हे को संतकबीरनगर में बीजेपी की हार का ताना सुनने को मिला तो उसने अपनी शादी में एक अजीबोगरीब प्रयोग कर डाला। गोरखपुर के उनवल नगर पंचायत में यह शादी आकर्षण का केंद्र बन गई। बारात निकली तो उसे देखने के लिए सड़क के दोनों ओर लोग जुट गए। उनवल के वार्ड नंबर 10 के रहने वाले मेहिन लाल वर्मा के बेटे कृष्णा वर्मा ने अपनी शादी में बुलडोजर पर परछावन कराया। बारात गोरखपुर से संतकबीर नगर गई। कृष्णा ने बुलडोजर को सीएम योगी आदित्यनाथ के कानून–व्यवस्था वाले शासन की निशानी बताया। बारात निकलने से पहले दूल्हा और सहबाला, बुलडोजर पर सवार हुए। बुलडोजर पर ही परछावन किया गया। शादी में बुलडोजर के पीछे की कहानी यह पता चली कि तिलक समारोह के दौरान दुल्हन पक्ष की ओर से किसी ने लोकसभा चुनाव में संतकबीरनगर में बीजेपी की हार पर दूल्हे को छेड़ते हुए कह दिया था कि संभलकर आइएगा यहां भाजपा सपा से हार गई थी।

सीएम योगी के जिले गोरखपुर के होने के नाते दूल्हे ने इस मजाक पर मुस्कुराते हुए कह दिया कि ठीक है, फिर हम भी बुलडोजर पर आएंगे। घर लौटकर दूल्हे ने वाकई बुलडोजर मंगाने की बात की तो परिवारवालों को थोड़ा अटपटा लगा लेकिन फिर सब तैयार हो गए। बारात निकलने से पहले बुलडोजर मंगाना तय किया गया। दूल्हे के दोस्ध्तों का कहना है कि बुलडोजर कानून–व्यवस्था की निशानी बन गया है। इसी चलते शादी में बुलडोजर की सवारी की बात मन में आई। परछावन के समय दूल्हा और सहबाला बुलडोजर पर सवार रहे। दूल्हे के सवार होने से पहले बुलडोजर को ठीक उसी तरह सजाया गया जैसे दूल्ध्हे की गाड़ी सजाई जाती है। इस पर करीब आठ हजार रुपए का खर्च आया था। बुलडोजर सजाने में करीब तीन घंटे का समय लगा।

अयोध्या में प्रभु 'श्रीराम' और काशी में 'महादेव' को चढ़ रहा गोरक्षनगरी का कमल

संवाददाता–गोरखपुर। रामगढ़ताल की खूबसूरती को और बढ़ाने के लिए गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा ताल में पैडलेगंज और चिड़ियाघर के किनारे कमलनाल की रोपाई कराई गई है। ताल में इस समय खिले कमल के फूल अपनी अद्भुत छटा बिखेर रहे हैं। यह फूल ताल की खूबसूरती बढ़ाने के साथ अयोध्या में श्रीराम और काशी में भोले बाबा को चढ़ाने के भी काम आ रहे हैं। जीडीए ने वर्ष 2020 में रामगढ़ताल में करीब पांच एकड़ में कमलनाल की रोपाई कराया था, जो इस समय ताल में करीब 10 एकड़ से अधिक एरिया में फैल चुका है। देवरिया बाईपास रोड पर चिड़ियाघर से सहारा इस्टेट तक ताल में फैले कमल के पौध पर खिले फूल इस क्षेत्र को खूबसूरत बना रहें हैं। जीडीए स्थानीय लोगों की मदद से कमल के फूल की देखरेख करवा रहा है। प्राधिकरण के जनसंपर्क अधिकारी यशवंत सिंह के नेतृत्व में कमलनाल की रोपाई कराई गई है। यशवंत सिंह का कहना है कि ताल में कमल के पौधों की देखरेख के लिए स्थानीय लोगों की मदद ली जाती है। वह लोग ही फूल निकाल कर बेचते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सप्ताह में आठ से 10 बोरा कमल का फूल निकाला जाता है। कुछ फूल तो स्थानीय बाजार में बिक जाते हैं। डिमांड पर यहां से फूल को अयोध्या, काशी, वृंदावन और ऋषिकेश तक भेजे जाते हैं। एक फूल का 20 से 30 रुपये तक मिल जाते हैं। सनातन धर्म में कमल के फूल का विशेष महत्व है। पूजा–पाठ में इसकी अधिक मांग रहती है। पिछले कुछ वर्षों में कमल की खेती का चलन तेजी से बढ़ा है। बाजार में इसकी अच्छी कीमत भी मिलती है, लेकिन दीपावली में जब इसकी मांग अधिक रहती है तब फूल नहीं मिलते हैं।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0 C 201217000000005
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

सूर्यकान्त आदि
बनाम
मुनि प्रसाद आदि

1/1 देवी प्रसाद 1/2 विशम्भरनाथ 1/3 दिनेश कुमार पुत्रगण स्व0 मुनि प्रसाद उर्फ झिनकाई मौजा छेदियापार तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती 2. चन्द्र दिवाकर 3. सत्यदेव 4. रामकिशोर पुत्रगण श्यामलाल 5. रामचन्दर 6. विनय कुमार पुत्रगण पाटनदीन 7. कल्लू पुत्र मुसई साकिनान मौजा लक्ष्मनपुर निद्धा सिंह तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती 8/1 मनोज कुमार पुत्र स्व0 भगवान प्रसाद साकिन मौजा नारायनपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती

–विपक्षीगण प्रथम वर्ग

9. ग्राम पंचायत रोहदा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती 10. श्रीकान्त पुत्र रामचरित्र 11. वीरेन्द्र कुमार पुत्र रमाकान्त साकिनान मौजा लक्ष्मनपुर निद्धा सिंह तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती

–विपक्षी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 12–07–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 12 महीना 07 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 10 माह 07 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 1061/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती

बजरंगी आदि
बनाम
पन्ना लाल आदि

1. पन्ना लाल उम्र लगभग 65 वर्ष 2. सीताराम उम्र लगभग 60 वर्ष 3. राजू उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्रगण भुवाली 4. मनीष उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र सीताराम 5. विकास उम्र लगभग 21 वर्ष पुत्र राजू निवासीगण ग्राम महदेव तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

बारिश से बढ़ा हरी सब्जियों का दाम

संवाददाता–गोरखपुर। लगातार हो रही बारिश से खेतों में हरी सब्जियों का उत्पादन प्रभावित हुआ है। बाहर से आने वाली हरी सब्जियों की आवक भी कम हो गई है। जिससे कीमतें आसमान पर पहुंच गई हैं। कोई भी सब्जी 50 रुपये किलोग्राम से कम नहीं बिक रही है। टमाटर, परवल से लेकर शिमला मिर्च किलोग्राम की जगह पाव के हिसाब से बिक रहा है। हरी मिर्च 120 रुपये तो शिमला मिर्च 160 रुपये तक बिक रहा है। वहीं टमाटर 80 से लेकर 120 रुपये तक बिक रहा है। पीपीगंज के भगवानपुर और कुसम्ही क्षेत्र के रजही में सब्जी की थोक मंडी में आवाक प्रभावित हो रही है। सप्ताह भर में सब्जियों की आवक में 40 फीसदी तक की कमी आ गई है। सब्जी की खेती करने वाले पीपीगंज क्षेत्र के अभुराम गांव के जय कुमार सिंह ने बताया कि बारिश से खेतों में पानी लग गया है। जिससे भिंडी, नेनुआ से लेकर बैगन की फसल प्रभावित हुई है। महेवा में सब्जी के थोक कारोबारी रहमान बताते हैं कि मंडी में बारिश के चलते सब्जियों की आवक आधी रह गई है। टमाटर की खेप जिस दिन अच्छी आ रही है, उस दिन कीमत काबू में है। मंगलवार को महेवा में टमाटर थोक में 80 रुपये किलो तक बिका। महेवा थोक मंडी में परवल 60 रुपये किलो तक बिक रहा है। पूर्वांचल सब्जी फल थोक बिक्रेता कल्याण समिति के अध्यक्ष संजय शुक्ला का कहना है कि बारिश अधिक होने से महेवा मंडी में हरी सब्जियों की आ बिछिया निवासी गृहिणी आभा श्रीवास्तव का कहना है कि हरी सब्जियों की महंगाई से बजट खराब हो रहा है। अब सोयाबीन, चना, राजमा आदि अधिक बना रहे हैं। साईधाम निवासी स्मिता त्रिपाठी का कहना है कि हरी सब्जी पर औसत खर्च 80 से 100 रुपये था। जो 150 रुपये से अधिक हो गया है। रेस्टोरेंट कारोबारी राहुल सिंह का कहना है कि सब्जियों की महंगाई से प्लेट की लागत बढ़ गई है। ऐसी ही स्थिति रही तो कीमतें बढ़ानी पड़ेगी। चौंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष संजय सिंघानिया का कहना है कि सोयाबड़ी और चना की बिक्री बढ़ गई है। सोयाबीन थोक में 70 रुपये किलो तो चना 85 रुपये किलो बिक रहा है।

कार्यालय ग्राम पंचायत शंकरपुर विकास खण्ड-विक्रमजोत, जनपद-बस्ती

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत शंकरपुर विकासखंड विक्रमजोत द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/ 15 वीं वित्त/स्वच्छ भारत मिशन/ SLWM/RGSA योजना अंतर्गत 2024–25 में स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इंटरलॉकिग इंट, प्रथम श्रेणी इंट, सीमेंट, सादा बालू, मोरंग, इंट की गिट्टी, पत्थर की गिले, छाड पेट, बोर्ड होम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला कुदाल, झाड़ू, ब्लीचिंग पावडर चूना, कूड़ादान, सेनेटाइजर मशीन, फागिंग मशीन, इंडिया मार्का टू हैड पंप, रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 11–07–2024 से दिनांक 16–07–2024 को 01:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फॉर्म वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत शंकरपुर में रखे गए निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 17–07–2024 को अपरान्ह 2:00 बजे निविदा दाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

नियम व शर्ते

1– अधिकृत फर्म अधिकृत डीलर का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 3 वर्ष कर आयकर क्लीयरेंस सलग्न करना अनिवार्य है।
2– जो दरें प्रस्तुत की जाए व जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
3–आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 फीसदी आयकर टीडीएस देना होगा। प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा पीडब्ल्यूडी के समय अनुसार तय दर पर ही भुगतान किया जाएगा।
5– ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान/अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं कि जाएगी।
6– घरोहर की धनराशि मु. 5000 (पांच हजार) है।
7– धरोहर की राशि राष्ट्रीय कृत बैंकों एडीआर एन एससी/नगर एवं डाकघर में बचत पत्र जो ग्राम पंचायत **शंकरपुर** के नाम बंधक हो, की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8– निविदा स्वीकृत होने के उपरांत सचिव एवं ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।
9– आदेश देने के 7 दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
10– सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।
11– सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।
12– आपूर्ति कर्ता को भुगतान अवर अभियंता (ग्रा.अभि.वि.)/तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुढ़वत्ता प्रामाणित होने पर तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
13– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 है, पर ही स्वीकार किया जाएगा ।
14– निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निधारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है ।
15– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
16– निविदा के सबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

निर्मला यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–शंकरपुर
विकास खण्ड–विक्रमजोत जनपद बस्ती

सुशील कुमार चौधरी
सचिव
ग्राम पंचायत–शंकरपुर
विकास खण्ड–विक्रमजोत जनपद बस्ती

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com